

तरुण छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,मंगलवार 10 नवंबर 2026 ■ कार्तिक शुक्ल पक्ष-2 ■ वर्ष -42 ■ अंक-220 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 11 नवंबर 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

बस्तर में जवानों के बीच प्रधानमंत्री ने मनाई दिवाली

मोदी ने नक्सलवाद पर जीत को बताया ऐतिहासिक, करनपुर के कोबरा ऑपरेशंस बेस पहुंचे प्रधानमंत्री, बोले- देश आपकी सेवाओं का ऋणी, 47 साल में पहली बार ड्यूटी के दौरान सीआरपीएफ का कोई जवान शहीद नहीं हुआ

■ तरुण छत्तीसगढ़

जगदलपुर, 10 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के करनपुर स्थित कोबरा ऑपरेशंस बेस में सुरक्षा बलों के जवानों के साथ दिवाली मनाई। बस्तर और अबूझमाड़ में नक्सल विरोधी अभियानों के लिए महत्वपूर्ण प्रशिक्षण केंद्र और अभियान संचालन स्थल के रूप में स्थापित इस बेस पर प्रधानमंत्री ने जवानों से मुलाकात कर उनका उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि सीमाओं पर और देश के भीतर सुरक्षा में तैनात जवान उनके अपने परिवार का हिस्सा हैं। देश के 140 करोड़ नागरिकों को जवानों की वीरता, त्याग और समर्पण पर गर्व है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस वर्ष की दिवाली को विशेष बताते हुए कहा कि माओवादी आतंक के खिलाफ दशकों से जारी लड़ाई में मिली सफलता के बाद यह रोशनी का पहला त्योहार है। इस उपलब्धि का श्रेय उन्होंने सुरक्षा बलों के साहस, बलिदान और मजबूत इच्छाशक्ति को दिया। उन्होंने कहा कि बस्तर आने का उद्देश्य उन जवानों के साथ इस ऐतिहासिक सफलता का उत्सव मनाना और देशवासियों की ओर से उनके प्रति आभार व्यक्त करना है।



जवानों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आंतरिक सुरक्षा मजबूत होने से ही देश बाहरी चुनौतियों का मुकाबला मजबूती से कर सकता है। उन्होंने सीआरपीएफ, कोबरा, बीएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, राज्य पुलिस बलों, बस्तर फाइटर्स कमांडो और महिला जवानों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि देश उनकी सेवाओं का ऋणी है।

प्रधानमंत्री ने नक्सलवाद के पुराने दौर को याद करते हुए कहा कि कभी देश के करीब 20 राज्यों के 230 से अधिक जिले वामपंथी उग्रवाद की चपेट में थे। इन इलाकों में भय का माहौल था और लोगों के लोकतांत्रिक अधिकार तक प्रभावित होते थे। हर साल हजारों हिंसक घटनाएं होती थीं। छत्तीसगढ़ में एक हजार से अधिक सुरक्षाकर्मियों ने नक्सली हिंसा में जान गंवाई। वर्ष 2010 में दंतेवाड़ा के हमलों में सीआरपीएफ के 76 जवान और 44 निर्दोष नागरिक मारे गए थे।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद नक्सलवाद के खिलाफ रणनीति में बदलाव किया गया। सुरक्षा बलों को अभियान चलाने की पूरी स्वतंत्रता दी गई और नक्सलियों के आर्थिक नेटवर्क, हथियारों की आपूर्ति तथा भर्ती व्यवस्था पर प्रहार किया गया। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि पिछले एक साल में 47 वर्षों में पहली बार ड्यूटी के दौरान सीआरपीएफ का एक भी जवान शहीद नहीं हुआ। यह सरकार की सही नीतियों और जवानों के साहस की जीत है।

मोदी ने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ कार्रवाई के साथ प्रभावित क्षेत्रों में विकास को भी प्राथमिकता दी गई। सड़कों, मोबाइल टावरों, स्कूलों, कौशल विकास केंद्रों, बैंक शाखाओं और डाकघरों का विस्तार किया गया। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के पुनर्वास की व्यवस्था की गई।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों और स्थानीय नागरिकों के सहयोग से बस्तर में बदलाव आया है। आज यहां के बच्चे बंदूक के बजाय खेलों में रुचि ले रहे हैं। बस्तर ओलंपिक इसका उदाहरण है।प्रधानमंत्री ने गरीबी के खिलाफ लड़ाई का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में 50 करोड़ भारतीय अत्यधिक गरीबी से बाहर आए हैं। जनधन, प्रधानमंत्री आवास, आयुष्मान भारत, स्वच्छ भारत, हर घर जल और मुफ्त राशन जैसी योजनाओं ने गरीब परिवारों को नई उम्मीद दी है। उन्होंने जवानों से आह्वान किया कि वे देश को विकसित भारत बनाने के संकल्प में इसी उत्साह और समर्पण के साथ योगदान दें।

अंत में प्रधानमंत्री ने जवानों को दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनका बलिदान और कठिन परिश्रम विकसित भारत की मजबूत नींव बनेगा।

न कलेक्टर, एसपी को पता चला, न एयरपोर्ट वालों को

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स हैंडल पर सुबह बताया कि वे दीपावली मनाने बस्तर जा रहे हैं। इस ट्वीट को अफसर समझ पाते इससे पहले ही मोदी का विशेष विमान रायपुर पहुंच गया और वे बस्तर रवाना हो गए। प्रधानमंत्री के इस अंदाज से अफसर तक चकित हैं।प्रधानमंत्री के आगमन पर प्रोटोकाल के तहत अफसरों में कम से कम पुलिस कमिश्नर और कलेक्टर को एयरपोर्ट पहुंचना होता है, उन्हें कहीं से कोई जानकारी नहीं दी गई। अफसर घर में फोन घुमाते रह गए और मोदी रायपुर आकर बस्तर चले गए। अब हड़बड़ाए अफसर प्रधानमंत्री की बस्तर से रायपुर वापसी की सूचना की प्रतीक्षा कर रहे हैं। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री ने संभवतः रायपुर या बस्तर पहुंच कर एक्स हैंडल पर अपने प्रवास की जानकारी दी। यह पहली मतर्बा है जब प्रधानमंत्री के आगमन पर उनके स्वागत के प्रोटोकाल का पालन नहीं किया जा सका। यह भी तर्क दिया जा रहा है कि संभवतः दीपावली त्यौहार को ध्यान में रख कर प्रवास को गोपनीय रखा गया, जिससे रायपुर के अफसर और निचले स्तर के कर्मचारी परेशान न हों।

PM मोदी ने ट्वीट पर क्या लिखा था-"बस्तर की ओर बढ़ते हुए हमारे वीर सुरक्षा बलों के साथ दीपावली मनाने जा रहा हूं। यह वह क्षेत्र है जहां कभी नक्सलवाद का बोलबाला था और अब, विकास फल-फूल रहा है। मैं अपने वीर सुरक्षा कर्मियों को उनके बलिदान, निस्वार्थ सेवा और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण के लिए सलाम करने जा रहा हूं। दीपावली के पावन अवसर पर बस्तर जा रहा हूं। कल तक जहां नक्सलियों का कहर था वहां आज विकास की बहार है। वीर जवानों, उनके बलिदान, त्याग और तपस्या को नमन करने जा रहा हूं।"

केमिकल से भरे ट्रक में लगी आग

अंबिकापुर,10 नवंबर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में ट्रक में अचानक भीषण आग लग गई. वाहन केमिकल को रेणुकूट से विशाखापट्टनम लेकर जा रहा था. इस दौरान नेशनल हाईवे-43 पर ट्रक में आग लगी. चालक ने आग की लपटें उठते देख ट्रक को सड़क किनारे खड़े किया और छलांग लगा कर अपनी जान बचाई. घटना का वीडियो भी सामने आया है. जानकारी के मुताबिक, ट्रक क्रमांक CG 15 FJ 4994 केमिकल लेकर रेणुकूट से विशाखापट्टनम की ओर जा रहा था. इसी दौरान बतौली थाना क्षेत्र अंतर्गत बेलकोटा के पास रविवार रात करीब 8 बजे ट्रक में अचानक आग लग गई. केमिकल लोड होने के कारण घटना को लेकर चिंता बढ़ गई. घटना की सूचना पर पुलिस और दमकल की वाहन मौके पर पहुंची. जबतक टीम पहुंची तक तब ट्रक का काफी हिस्सा आग की चपेट में आ चुका था. पुलिस ने वाहनों को सुरक्षित स्थान पर रोक दिया, जिसके बाद आग बुझाने के लिए दमकल ने अभियान शुरू किया. कुछ देर बाद ट्रक में लगी आग को बुझा लिया गया. फिलहाल आग कैसे लगी, इसकी वजह सपष्ट नहीं हो पाई है. हालांक शॉर्ट सर्किट होने से आग लगने की बात सामने आई है. पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है. इसके बाद ही असली वजह निकलकर सामने आ पाएगी.

ट्रंप ने 'ईरान युद्ध' खत्म होने का ऐलान किया

वाशिंगटन,10 नवंबर। अमेरिका (US) और ईरान युद्ध लगभग खत्म हो गया है। खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'ईरान युद्ध' खत्म होने की बात कही। डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि ईरान की सैन्य ताकत लगभग खत्म हो चुकी है। अब हमले की जरूरत नहीं है। इसके कारण संघर्ष जल्द समाप्त हो सकता है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि फिलहाल अमेरिका मौजूदा स्थिति बनाए रखेगा। किसी भी बदलाव की स्थिति में अमेरिकी सेना तैयार रहेगी। ट्रम्प ने यह बयान कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जासिम अल थानी से मुलाकात के बाद दिया है। ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा, सैन्य तौर पर ईरान का मामला लगभग खत्म हो चुका है।

महानदी में समाई कार, एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

गोबरा नवापारा,10 नवंबर। दीपावली की रात गरियाबंद जिले में एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। रायपुर से दीपावली मनाकर अपने गांव लौट रहे एक ही परिवार के चार लोगों की कार अनियंत्रित होकर टीला एनीकट से महानदी में जा गिरी। हादसे में पति-पत्नी और उनके दो बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर थाना क्षेत्र के ग्राम पसौद निवासी पत्रकार शीतल साहू (44) अपनी पत्नी भारती साहू, बेटी पूर्वा साहू (21) और बेटे विकास साहू (19) के साथ रायपुर में दीपावली मनाने आए थे। त्योहार मनाने के बाद देर रात वे वापस अपने गांव लौट रहे थे। रात करीब 11 बजे शीतल साहू की परिजनों से आखिरी बार फोन पर बात हुई थी। इसके बाद करीब 11 बजे से 2 बजे के बीच राजिम के टीला एनीकट के पास उनकी कार अनियंत्रित होकर एनीकट से नीचे महानदी में जा गिरी। परिवार का गांव हादसा स्थल से महज 3 से 5 किमी दूर था। घर पहुंचने में सिर्फ 10 मिनट का रास्ता बाकी था, लेकिन काल ने उससे पहले ही चारों जिंदगियां छीन लीं।



एनीकट के 4 पिलर टूटे, नदी में मिली कार-देर रात तक परिवार के नहीं पहुंचने पर परिजन तलाश में निकले। टीला एनीकट के पास पहुंचे तो वहां एनीकट के चार पिलर टूटे हुए दिखाई दिए और कार नदी में डूबी हुई मिली। सूचना मिलते ही गोबरा नवापारा थाना क्षेत्र की चंपारण चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने रेस्क्यू अभियान चलाकर कार से चारों के शव बाहर निकाले और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गांव में शोक की लहर-हादसे की खबर मिलते ही पसौद गांव सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। जिस घर में दीपावली की खुशियां मनाने की तैयारी थी, वहां अब मातम पसरा हुआ है। बताया जा रहा है कि शीतल साहू पत्रकार थे, उनकी कार पर 'मीडिया एग्जीक्यूटिव' लिखा हुआ था। फिलहाल पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है कि कार अनियंत्रित कैसे हुई।

नौकरी पर स्थायी अधिकार नहीं, नियमों के तहत सरकार दे सकती है अनिवार्य सेवानिवृत्ति

रायपुर, 10 नवंबर। छत्तीसगढ़ के सरकारी कर्मचारियों से जुड़े एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार और जनहित को ध्यान में रखते हुए सरकार किसी कर्मचारी को समय से पहले अनिवार्य सेवानिवृत्ति दे सकती है। इसके लिए कर्मचारी की सहमति जरूरी नहीं है। यह फैसला छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पांच कर्मचारियों को अनिवार्य सेवानिवृत्ति देने के मामले में आया है। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के फैसले को बरकरार रखा है। न्यायमूर्ति मनमोहन और न्यायमूर्ति चंद्रशेखर की पीठ ने कहा कि यदि किसी कर्मचारी की सेवा जारी रखना जनहित में उपयोगी नहीं रह गया है, तो सरकार निर्धारित नियमों के तहत उसे अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त कर सकती है। कर्मचारी केवल इस आधार पर फैसले को चुनौती नहीं दे सकता कि उसके जैसे अन्य कर्मचारियों को सेवानिवृत्त नहीं किया गया। प्रत्येक कर्मचारी के कामकाज और सेवा रिकॉर्ड का अलग-अलग मूल्यांकन किया जा सकता है।

अनिवार्य सेवानिवृत्ति कोई सजा नहीं-सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अनिवार्य सेवानिवृत्ति को बर्खास्तगी या दंडात्मक कार्रवाई नहीं माना जा सकता। इसका उद्देश्य कर्मचारी को सजा देना नहीं, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था और सरकारी कामकाज की गुणवत्ता में सुधार करना है। हालांकि, सरकार को यह अधिकार मनमाने ढंग से इस्तेमाल करने की छूट नहीं है। फैसला सेवा रिकॉर्ड, निर्धारित नियमों और जनहित के आधार पर ही होना चाहिए।

हर बार सुनवाई का मौका देना जरूरी नहीं-अदालत ने कहा कि अनिवार्य सेवानिवृत्ति से पहले कर्मचारी को अपना पक्ष रखने का अवसर देना हर स्थिति में जरूरी नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 311(2) के तहत बर्खास्तगी, पद से हटाने या पदावनति के मामलों में मिलने वाली सुरक्षा सामान्य रूप से अनिवार्य सेवानिवृत्ति पर लागू नहीं होती, क्योंकि इसे दंडात्मक कार्रवाई नहीं माना जाता।

मनमानी कार्रवाई को चुनौती देने का अधिकार बरकरार-इस फैसले का अर्थ यह नहीं है कि सरकार किसी भी कर्मचारी को जब चाहे सेवानिवृत्त कर सकती है। इसके लिए निर्धारित प्रक्रिया और सेवा नियमों का पालन करना अनिवार्य है। यदि फैसला दुर्भावना से, बिना उचित आधार या नियमों के विरुद्ध लिया जाता है, तो कर्मचारी उसे कानूनी चुनौती दे सकता है।

पीएम मोदी ने गोवर्धन पूजा पर गाय को खिलाई घास

नई दिल्ली,10 नवंबर। पीएम मोदी ने देशवासियों को गोवर्धन पूजा की शुभकामनाएं दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने इंस्टाग्राम पर गाय को घास खिलाते हुए अपनी तस्वीरें शेयर की हैं। फोटो शेयर करते हुए पीएम ने लिखा, "गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर, सभी को शांति, सुख और समृद्धि का आशीर्वाद मिले। फोटोज में पीएम मोदी गाय और उनके बच्चों को घास खिलाते हुए नजर आ रहे हैं। साथ ही उन्होंने बताया है कि ये कुछ खास पलों की तस्वीरें हैं.पीएम मोदी ने फोटोज के अलावा सोशल मीडिया पर श्लोक भी शेयर किया है।य उन्होंने श्लोक शेयर करते हुए लिखा-सभी देशवासियों को गोवर्धन पूजा की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। यह पावन पर्व आप सभी के जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करे. सभी के सुख, सौभाग्य और समृद्धि का विस्तार हो, यही मंगलकामना है।



पुनर्मतगणना की मांग नहीं करना चुनाव याचिका खारिज करने का आधार नहीं: हाईकोर्ट

बिलासपुर, 10 नवंबर। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने पंचायत चुनाव से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में स्पष्ट किया है कि मतगणना के दौरान पुनर्मतगणना की मांग नहीं करना, चुनाव याचिका को प्रारंभिक स्तर पर खारिज करने का पर्याप्त आधार नहीं है। अदालत ने कहा कि मतों की गिनती और सारणीकरण में गड़बड़ी तथा चुनावी अभिलेखों में हेरफेर के गंभीर आरोपों की जांच साक्ष्यों के आधार पर की जानी चाहिए। जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद की एकलपीठ ने यह टिप्पणी एक निर्वाचित प्रत्याशी की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। मामला पंचायत चुनाव के मतदान केंद्र क्रमांक 187 में मतगणना और मतों के सारणीकरण में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। निर्वाचित प्रत्याशी ने चुनाव न्यायाधिकरण के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें सिविल प्रक्रिया संहिता के आदेश 7 नियम 11 के तहत चुनाव याचिका खारिज करने की मांग वाला आवेदन निरस्त कर दिया गया था। याचिकाकर्ता की दलील थी कि 23 फरवरी 2025 को मतगणना के दौरान छत्तीसगढ़ पंचायत निर्वाचन नियम, 1995 के नियम 80(1) और 80(5) के तहत पुनर्मतगणना का कोई लिखित अनुरोध नहीं किया गया था। इसलिए चुनाव याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। हाई कोर्ट ने कहा कि प्रारंभिक स्तर पर पूरी चुनाव याचिका और उसमें लगाए गए आरोपों की जांच जरूरी है। याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि मतों के सारणीकरण में गड़बड़ी का पता प्रमाणित सारणीकरण चार्ट मिलने के बाद चला। अदालत ने कहा कि इस दावे की सत्यता और आरोपों की वास्तविकता का निर्धारण साक्ष्यों एवं गवाहों के आधार पर चुनाव न्यायाधिकरण करेगा।

15 नवंबर को छत्तीसगढ़ आएंगे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

रायपुर,10 नवंबर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 15 नवंबर को छत्तीसगढ़ के दौरे पर आएंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभालने के करीब 10 महीने बाद उनका यह पहला छत्तीसगढ़ दौरा हो रहा है। नितिन नवीन राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आमंत्रण पर छत्तीसगढ़ पहुंचेंगे। वे रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रम में शामिल होंगे। धरमजयगढ़ में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति रहेगी। नितिन नवीन के दौरे से पहले पार्टी की प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी भी छत्तीसगढ़ के प्रवास पर आएंगी। स्मृति ईरानी 11 नवंबर को छत्तीसगढ़ आएंगी और वे सीधे रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ जाएंगी। पार्टी के दो बड़े नेताओं के इस लगातार छत्तीसगढ़ दौरे को प्रदेश संगठन राजनीतिक गतिविधियों के लिहाज से बेहद अहम मान रहा है।

जशपुर,10 नवंबर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने धर्मपत्नी कौशल्या साय ने आज कैम्प कार्यालय बगिया में गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर विधि-विधान से गौ माता की पूजा-अर्चना की. उन्होंने गौमाता को तिलक लगाकर पूजा की तथा प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उन्नति की कामना की. इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने गोवर्धन पूजा के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गोवर्धन पूजा का पर्व भगवान श्रीकृष्ण की गोवर्धन लीला की स्मृति में मनाया जाता है.

होटल कारोबारी दीपक टंडन की मुश्किलें बढ़ीं

रायपुर,10 नवंबर। होटल कारोबारी और 'द हनी बैजर न्यूज' के संचालक दीपक टंडन की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। अब दीपक टंडन और उसकी पत्नी बरखा टंडन के खिलाफ रायपुर के तेलीबांधा थाने में एक और FIR दर्ज की गई है। आर्ट ऑफ लिविंग की छत्तीसगढ़ प्रमुख सरिता बाजपेयी की शिकायत पर पुलिस ने यह कार्रवाई की है। दोनों के खिलाफ संपत्ति पर जबरन कब्जा करने, जबरन प्रवेश, अश्लील हरकत करने, सरकारी सील तोड़ने और जान से मारने की धमकी देने सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। वहीं रायपुर पुलिस दीपक टंडन को ट्रांजिट रिमांड पर लेने की तैयारी में है।जानकारी के मुताबिक, आर्ट ऑफ लिविंग की छत्तीसगढ़ प्रमुख सरिता बाजपेयी ने दीपक टंडन और उसकी पत्नी बरखा टंडन के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि दोनों ने संपत्ति पर जबरन कब्जा करने, किसी की संपत्ति में अनधिकृत रूप से प्रवेश करने, अश्लील हरकत करने, सरकारी सील तोड़ने और जान से मारने की धमकी देने जैसी गतिविधियां कीं।

रायपुर के डुमरतराई में भीषण आग

रायपुर,10 नवंबर। दिवाली की रात राजधानी रायपुर में अलग-अलग जगह पर आग लगने की तीन बड़ी घटनाएं हुई. इनमें दो रायपुर के सबसे बड़े बाजार डुमरतराई की आज इतनी व्यापक थी कि उसको बुझाने में सुबह तक बचाव का चला रहा.आग लगने



की जानकारी मिलते ही रायपुर कलेक्टर गौरव सिंह एसपी श्वेता श्रीवास्तव सिनहा एवं निगम कमिश्नर संबित मिश्रा मौके पर पहुंच गए थे. आग लगने के बाद चूकि बिजली काट दी गई थी, इसलिए अंधेरे में बचाव कार्य प्रभावित हो रहा था. इसलिए जेनरेटर की व्यवस्था करनी पड़ी. उधर तेल की आग बुझाने फोम जेनरेटर की जरुरत पड़त है लिहाजा, रायपुर के कलेक्टर गौरव सिंह ने एयरपोर्ट प्रबंधन से बात की.इसके बाद एयरपोर्ट से फोम जनरेटर मंगाया गया. ओके बाद बचाव कार्य तेज हुआ. आग बुझाने का काम प्रभावित न हो इसके लिए रायपुर कलेक्टर गौरव सिंह खुद मौके पर सुबह 6:30 बजे तक मौजूद रहे. बताते हैं आज की भी जनता इतनी ज्यादा थी कि आग अगल-बगल न फैल जाए.

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने खण्डसरा में किया नवीन ग्राम पंचायत भवन का लोकार्पण

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 10 नवम्बर । कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड अंतर्गत ग्राम खण्डसरा में आज विकास की एक नई सौगात मिली। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा तथा सांसद श्री संतोष पांडेय ने 20 लाख रुपए की लागत से बने नवीन ग्राम पंचायत भवन का लोकार्पण कर ग्रामीणों को समर्पित किया। इस अवसर पर ग्रामीणों में उत्साह का माहौल रहा। नवीन पंचायत भवन के शुभारंभ से ग्राम पंचायत के प्रशासनिक कार्यों के संचालन और ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर शासकीय सेवाएं उपलब्ध कराने में सुविधा होगी।कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने ग्रामीणों के बीच जमीन पर बैठकर उनकी समस्याएं और मांगें सुनीं। ग्रामीणों ने भी खुलकर अपनी बातें उप मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। श्री शर्मा ने एक-एक कर ग्रामीणों की समस्याओं की जानकारी ली और उनके निराकरण के लिए मौके पर ही आवश्यक पहल की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।



गांव की चौपाल में दिखा जनसेवा का भाव

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने ग्रामीणों से आत्मीय संवाद करते हुए कहा कि नवीन पंचायत भवन के निर्माण से पंचायत के कार्यों को बेहतर ढंग से संचालित करने के साथ ही ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि गांव के अंतिम व्यक्ति तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचे और नागरिकों को अपनी छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक परेशान न होना पड़े। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों का दायित्व है कि वे जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को समझें और उनका समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करें।

नवीन पंचायत भवन से ग्रामीणों को मिलेगी बेहतर सुविधाएं

नवीन ग्राम पंचायत भवन के लोकार्पण से ग्राम खण्डसरा में पंचायत संबंधी कार्यों के लिए बेहतर आधारभूत सुविधा उपलब्ध हुई है। यहां ग्राम पंचायत की बैठकों, विकास कार्यों की समीक्षा, शासकीय योजनाओं की जानकारी तथा ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए उपयुक्त स्थान मिलेगा। इससे पंचायत स्तर पर प्रशासनिक कार्यों में सुगमता और ग्रामीणों की भागीदारी बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष श्री कैलाश चन्द्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य श्री राम कुमार भट्ट, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्री नंद श्रीवास, श्री विदेशी राम धुर्वे, लालचंद साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल रहे।

धनोरा में मां लक्ष्मी की मूर्ति स्थापित



तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 10 नवम्बर । धनोरा दुर्ग में बाबा दरबार पावन धाम के पास स्थित मंच पर 13 साल से मां लक्ष्मी माता की मुरती स्थापित किया जा रहा है दरबार के श्री लक्ष्मण बाबा जी ने बताया कि लक्ष्मी पुजा के दिन रात्रि में माता रानी की विद्वान पंडित द्वारा पुजा पाठ किया गया तत्पश्चात प्रसाद वितरण किया गया जिसमें माता रानी की हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

सुबह से ही पुजा पाठ करने भक्तों ने थाल सजाकर मां लक्ष्मी के पास पहुंच रहे थे किसी ने हाथं मे चुनरी फल फूल मिठाई लेकर आए हर रोज सुबह शाम माता रानी की पुजा अर्चना किया जा रहा है आगे बताया कि भाई दुज के दिन 10 बजे से गली भ्रमण झांकी एवं गढ़वा बाजा के साथ बजरंग पारा बाजार चौक मेन गली शितला पारा होते हुए कर्मा मंदिर श्रीराधा कृष्ण मंदिर से खनती तालाब पहुंचे गा जहां पुजा पाठ करके मां लक्ष्मी मुरती की विसर्जन किया जाएगा यह सेवा में मुख्य रूप से लक्ष्मी समिति के अध्यक्ष बलराम बबलू साहू मुकुल पटेल गितेश पटेल मारियल साहू भोलू खिलेशवर साहू चेतन साहू तोमन गजपाल रामेशवर साहू दादू साहू तानू पटेल कुंज लाल पटेल शिव साहू रमण लछू साहू खोमू यादव शिवम सपरे भुपेंद्र साहू लक्ष्मण साहू हीरामणि साहू अजय साहू जीतिन साहू कुंभकरण पटेल दुरगेनद साहू लक्की पटेल देवेन्द्र साहू आदि भक्त गण बड़ी संख्या में मौजूद रहे गे यह जानकारी समिति के अध्यक्ष बलराम बबलू साहू जी ने दी ।

एक नजर

बस्तर में 15 नवंबर से शुरू होगी समर्थन मूल्य पर धान खरीदी

जगदलपुर,10 नवम्बर। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत बस्तर जिले में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन का कार्य आगामी 15 नवंबर से शुरू होने जा रहा है। इस वर्ष उपार्जन व्यवस्था में एक बड़ा बदलाव किया गया है, जिसके तहत उपार्जित धान का उठाव राईस मिलरों द्वारा डिलीवरी ऑर्डर के जरिए धान खरीदी की पूरी समय-सीमा समाप्त होने के बाद ही किया जाएगा। इस नई व्यवस्था के चलते केंद्रों पर लंबे समय तक बड़ी मात्रा में धान का सुरक्षित भंडारण आवश्यक हो गया है, जिसे ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा सभी धान खरीदी केंद्रों के मौजूदा क्षेत्रफल को बढ़ाने सहित अन्य आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया है। कलेक्टर श्री आकाश छिकारा के निर्देश पर खाद्य विभाग द्वारा जिले के सभी तहसीलदारों को आदेश जारी कर निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में स्थित धान खरीदी केंद्रों एवं उनके आसपास के स्थलों का तत्काल मुआयना करें। तहसीलदारों को केंद्रों के विस्तार हेतु उपलब्ध अतिरिक्त भूमि का केंद्रवार आकलन कर इसकी विस्तृत रिपोर्ट बिना किसी देरी के कार्यालय को सौंपने को कहा गया है, ताकि उपार्जन कार्य प्रारंभ होने से पूर्व सभी आवश्यक प्रबंध पूरे किए जा सकें और किसानों को अपनी उपज बेचने में आसानी हो और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को भी सुनिश्चित किया जा सके।

बस्तर में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियां तेज

जगदलपुर, 10 नवम्बर। राज्य शासन के निर्देशानुसार बस्तर जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का अभियान 15 नवम्बर से 15 जनवरी 2027 तक संचालित किया जाएगा। उपार्जन अवधि के दौरान पड़ोसी राज्यों से अवैध धान लाकर जिले के सीमावर्ती उपार्जन केन्द्रों में विक्रय करने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा पूरी तरह सतर्कता बरती जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री आकाश छिकारा द्वारा सीमावर्ती जांच नाकों पर राजस्व, मण्डी, वन एवं होमगार्ड के अधिकारियों व कर्मचारियों की 24 घंटे की तीन पालियों में ड्यूटी लगाने का आदेश जारी किया गया है। जारी निर्देशों के तहत नवंबर 2026 से 30 अप्रैल 2027 तक अन्य राज्यों से धान का आयात केवल संचालक, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति की पूर्व अनुमति से ही संभव हो सकेगा। हालांकि 3300 रुपये प्रति क्विंटल से अधिक लागत वाले सुपर फाइन धान के लिए संचालक की अनुमति की अनिवार्यता नहीं रहेगी, परंतु संबंधित आयातक को जिला खाद्य नियंत्रक को इसकी अग्रिम सूचना देना अनिवार्य होगा। सीमा पर आने-जाने वाले सभी मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर कड़ी नजर रखी जाएगी और उनका बाकायदा पंजी संधारित कर प्रविष्टि दर्ज की जाएगी। यदि कोई भी वाहन बिना वैध दस्तावेजों के धान का परिवहन करते पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध तत्काल सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारी प्रत्येक समय-सीमा की बैठक में की गई कार्रवाई का ब्योरा प्रस्तुत करेंगे। अवैध धान की आवक को पूरी तरह रोकने के लिए जिले के सात प्रमुख सीमावर्ती नाकों धनपुंजी, भेजापदर, नलपावण्ड, तारापुर, पोटियावण्ड, कोलावल और बदलावण्डकृपर त्रि-स्तरीय निगरानी तंत्र तैयार किया गया है। इन सभी नाकों पर सुबह 6 से दोपहर 2 बजे, दोपहर 2 से रात 10 बजे और रात 10 से सुबह 6 बजे तक अधिकारियों, पटवारियों, ग्राम पंचायत सचिवों, वन अमले और नगर सैनिकों की चौबीसों घंटे तैनाती सुनिश्चित की गई है। स्थानीय प्रशासन के इस कदम से न केवल बिचौलियों और अवैध कारोबारियों के मंसूबों पर पानी फिरेगा, बल्कि क्षेत्र के वास्तविक और पंजीकृत किसानों के हितों की भी पूरी सुरक्षा होगी।

संभाग स्तरीय प्रतियोगिता, रोल प्ले में सुकमा और लोक नृत्य में नारायणपुर ने मारी बाजी

जगदलपुर, 10 नवम्बर। बस्तर संभाग मुख्यालय स्थित सेजेस शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-02, जगदलपुर में गुरुवार 5 नवंबर को संभाग स्तरीय नाटक एवं लोक नृत्य प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया, जहां स्कूली छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना के तहत आयोजित इस विशेष प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य शालेय विद्यार्थियों में स्वास्थ्य, स्वच्छता के प्रति जागरूकता तथा उनके जीवन कौशल का समग्र विकास करना था। यह पूरा आयोजन राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद द्वारा जारी थीम एवं दिशा-निर्देशों के अनुरूप संपन्न कराया गया। संयुक्त संचालक स्कूल शिक्षा श्री एचआर सोम ने बताया कि इस प्रतियोगिता की तैयारी जमीनी स्तर से शुरू की गई थी, जिसके तहत संभाग के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों के मार्गदर्शन में पहले शाला एवं विकासखंड स्तर पर रोल प्ले व लोक नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ।

दीपावली महापर्व में आत्म ज्योति जागृत करने का दिया संदेश



तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 10 नवंबर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय में दीपावली महापर्व हर्षोल्लास एवं आध्यात्मिक उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भिलाई सेवा केंद्रों की निदेशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आशा दीदी एवं ब्रह्माकुमारी बहनों ने दीप प्रज्वलित कर दीपोत्सव मनाया। कार्यक्रम में आशा दीदी ने दीपावली के आध्यात्मिक रहस्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दीपावली केवल बाहरी दीपक जलाने का पर्व नहीं है, बल्कि अपनी आत्म ज्योति को जागृत कर संपूर्ण विश्व को ज्ञान और शांति के प्रकाश से प्रकाशित करने का अवसर है। जिस प्रकार अनेक दीपक मिलकर दीपमाला बनाते हैं, उसी प्रकार प्रत्येक आत्मा अपने दिव्य गुणों एवं श्रेष्ठ कर्मों के माध्यम से विश्व में सुख, शांति और प्रेम का प्रकाश फैला सकती है। उन्होंने कहा कि सच्ची दीपावली मनाने का अर्थ है अपने पुराने संस्कारों, कमजोरियों, व्यर्थ संकल्पों एवं अवगुणों का खाता समाप्त कर नवीन श्रेष्ठ संस्कारों को जीवन में धारण करना। इसके लिए उन्होंने सभी को पांच श्रेष्ठ संकल्प दिलाए। इनमें आत्मज्योति को जागृत करना, पुराने संस्कारों एवं कमजोरियों को समाप्त करना, नवीन श्रेष्ठ संस्कार धारण करना, अपने ज्ञान एवं अनुभव से अन्य आत्माओं की सेवा करना तथा स्वयं सदा जागती ज्योति बनकर विश्व को प्रकाशित करना शामिल है। कार्यक्रम के अंत में डिवाइन ग्रुप के बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं और सभी को दीपावली की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को आनंद, उत्साह एवं आध्यात्मिक उमंग से सराबोर कर दिया।

बीआरएम में सुरक्षा बनी कार्य संस्कृति का हिस्सा

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 10 नवंबर। भिलाई इस्पात संयंत्र का बार एवं रॉड मिल कार्यस्थल पर सुरक्षा को केवल नियमों और प्रक्रियाओं तक सीमित न रखकर इसे कार्य व्यवहार एवं संगठनात्मक संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। इस उद्देश्य से विभाग में कर्मचारियों और ठेका श्रमिकों के बीच सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने के लिए संवाद, प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं, पारिवारिक सहभागिता और डिजिटल माध्यमों से कई पहल की जा रही हैं। इसी कड़ी में बीआरएम की पहल सेफ-टी ¯ चाय पे चर्चा वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच सुरक्षा संवाद का प्रभावी माध्यम बन रही है। चाय पर अनौपचारिक चर्चा के दौरान कर्मचारी कार्यस्थल की चुनौतियों, सुरक्षा संबंधी अनुभवों और सुधार के सुझावों को



खुलकर साझा करते हैं। संवाद के अंत में कर्मचारी को परिवार के साथ तस्वीर एवं सुरक्षा प्रतिज्ञा वाला स्मृति-चिह्न भेंट किया जाता है। इस पहल के माध्यम से सुरक्षा के प्रति व्यक्तिगत जिम्मेदारी को पारिवारिक जुड़ाव से भी जोड़ा जा रहा है। वहीं, घर से घर तक पहल के अंतर्गत ठेका श्रमिकों एवं उनके परिवारों को सुरक्षा अभियान का हिस्सा बनाया जा रहा है। आधुनिक डिजिटल माध्यमों को भी सुरक्षा जागरूकता से जोड़ते हुए बीआरएम में लाइन ऑफ फायर रील मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें कर्मचारियों ने रचनात्मक वीडियो रील के माध्यम से कार्यस्थल पर लाइन ऑफ फायर से जुड़े खतरों और उनसे बचाव के उपायों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। इससे कर्मचारियों को सुरक्षा संदेश का प्रसार करने में सक्रिय भागीदारी का अवसर मिला।

तीन दशक बाद इंद्रावती टाइगर रिजर्व में शुरू होगी पर्यटकों की चहल-पहल

बीजापुर, 10 नवंबर। जिले में शांति, विकास और पर्यटन की नई संभावनाओं के बीच इंद्रावती टाइगर रिजर्व में लगभग तीन दशक बाद जंगल सफारी की शुरुआत होने जा रही है। प्रदेश के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में 1 नवंबर 2026 से पर्यटक जंगल सफारी के माध्यम से वन्यजीवों एवं प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव कर सकेंगे। यह पहल जिले में पर्यटन विकास, वन्यजीव संरक्षण एवं स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

गैरेज में घुसकर मारपीट और धारदार हथियार से हमला कर मोबाइल लूटने वाले गिरफ्तार

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 10 नवंबर। पुरानी रंजिश को लेकर कार गैरेज में घुसकर मारपीटए धारदार हथियार से हमला एवं मोबाइल लूटने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं तीन अन्य संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने लूटा गया मोबाइल फोन भी बरामद कर जब्त कर लिया है। पुलिस के अनुसारए 9 नवंबर की रात करीब 12 बजे प्रार्थी कृष्णा शर्मा ने चौकी स्मृति नगर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि पुरानी रंजिश के चलते नागेन्द्र सुमनकर अपने साथियों के साथ कार गैरेज में घुसा और गाली.गलौज करते हुए मारपीट करने लगा। इस दौरान धारदार हथियार से हमला किया गयाए जिसमें मनीष शर्मा आनंद शर्मा एवं सारांश सिंह घायल हो गए। आरोपी घटना के दौरान एक मोबाइल फोन भी लूटकर ले गए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्मृति नगर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अन्य तीन संदिग्धों से पूछताछ जारी है। प्रकरण में भारतीय न्याय संहिता की धारा 109ए 309 सहित अन्य सुसंगत धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

सेल-बीएसपी ने शुरू की सरल ऑनलाइन कर्मचारी फोटो अपलोड एवं सत्यापन प्रणाली



तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 10 नवंबर। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने कर्मचारियों के फोटोग्राफ अपलोड, सत्यापन एवं अद्यतन की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए नई ऑनलाइन कर्मचारी फोटो अपलोड एवं सत्यापन प्रणाली प्रारंभ की है। इसका उद्घाटन कार्यपालक निदेशक प्रवीण निगम एवं कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक प्रशांत ओझा, मुख्य महाप्रबंधक राजीव महेंद्रू, महाप्रबंधक प्रभारी ए.बी. श्रीनिवास, महाप्रबंधक सुश्री नीना जायसवाल एवं संदीप झा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। नई प्रणाली के माध्यम से कर्मचारी अपना वर्तमान फोटो देख सकेंगे तथा आवश्यकतानुसार जेपीजी प्रारूप में नया फोटो अपलोड कर सकेंगे। सुरक्षा के लिए ओटीपी सत्यापन और मानव संसाधन अधिकारियों की स्वीकृति के बाद फोटो स्वतः अपडेट हो जाएगा। पूरी प्रक्रिया का डिजिटल रिकॉर्ड भी सुरक्षित रहेगा। प्रणाली का विकास महाप्रबंधक संदीप झा के नेतृत्व एवं महाप्रबंधक संजय द्विवेदी के मार्गदर्शन में सी एवं आईटी तथा मानव संसाधन विभाग की टीमों के सहयोग से किया गया।

ब्लास्ट फर्नेस में मरम्मत कार्य करने वाले ठेका श्रमिक सम्मानित



तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 10 नवंबर। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस विभाग में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच लीकेज की मरम्मत का कार्य सुरक्षित एवं सफलतापूर्वक पूरा करने वाले छह ठेका श्रमिकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य महाप्रबंधक विवेक वर्मा एवं महाप्रबंधक के.एस.एन.आर. रमेश ने मिथिलेश यादव, राजेश, जगदीश, गुरु प्रकाश, यद्राम एवं विनोद कुमार यादव को सम्मानित किया। मुख्य महाप्रबंधक विवेक वर्मा ने श्रमिकों के कार्य की सराहना करते हुए उनकी तकनीकी दक्षता, उत्कृष्ट कार्य गुणवत्ता एवं सुरक्षित कार्य निष्पादन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए मरम्मत कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करना टीम की कार्यकुशलता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह चुनौतीपूर्ण कार्य सहायक प्रबंधक ऋषभ शिंदे एवं उप प्रबंधक शिवम गोयल की देखरेख में संपन्न हुआ। ठेका श्रमिकों की इस उपलब्धि ने तकनीकी दक्षता, टीम भावना और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

एक्स गर्लफ्रेंड को दूसरे युवक के साथ देख भड़के आरोपी ने दोस्तों के साथ गैरेज में घुसकर चाकू से किया हमला, 3 घायल

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दुर्ग, 10 नवंबर। एक्स गर्लफ्रेंड को दूसरे युवक के साथ घुमते देखना आरोपी को इतना नागवार गुजरा कि उसने दोस्तों के साथ मिलकर चाकूबाजी की वारदात को अंजाम दिया. आरोपी ने पहले दोनों का पीछा किया और गैरेज में घुसकर जान चाकू से हमला कर दिया. इस दौरान गैरेज संचालक और उसका भाई भी हमले का शिकार हो गए. घटना में तीन लोग घायल हुए हैं, जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है. घायलों का निजी अस्पताल में इलाज जारी है. मामले में पुलिस ने कुछ घंटों में ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

यह पूरा मामला सुपेला थाना क्षेत्र की स्मृतिनगर चौकी का है. जानकारी के अनुसार, नागेंद्र सोमंकर की एक्स गर्लफ्रेंड सारांश सिंह नामक युवक के साथ घूम रही थी. दोनों को साथ देखकर नागेंद्र कथित तौर पर भड़क गया. इसके बाद उसने अजय ठाकुर समेत अन्य साथियों के साथ मिलकर उनका पीछा किया. खुद को बचाने के लिए सारांश सिंह अपनी महिला मित्र के साथ कारफाई नामक गैरेज में घुस गया. आरोप है कि पीछा करते हुए आरोपी भी गैरेज में पहुंच गए और वहां सारांश पर चाकू से हमला कर दिया.

गैरेज संचालक और भाई पर भी किया हमला

गैरेज में हंगामा और मारपीट होते देखकर संचालक आनंद शर्मा और उनके भाई मनीष शर्मा ने बीच-बचाव करने की कोशिश की. इस दौरान आरोपियों ने उन पर भी चाकू से हमला कर दिया. हमले में मनीष शर्मा को गंभीर चोटें आई हैं. तीनों घायलों को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मोबाइल छीनकर फरार हुए आरोपीवारदात के बाद आरोपी ने सारांश सिंह का मोबाइल छीन लिया, जिसके बाद सभी मौके से फरार हो गए. घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है. नागेंद्र सोमंकर, अजय ठाकुर समेत अन्य लोगों पर चाकूबाजी का आरोप है. शिकायत के बाद पुलिस ने मामला पंजीबद्ध कर जांच शुरू की. सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल के बाद तीन आरोपियों को कुछ घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया है।

विधिक सेवा दिवस के उपलक्ष्य में दुर्ग जिले में सप्ताह व्यापी जागरूकता अभियान का आयोजन

दुर्ग, 10 नवम्बर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा दिनांक 09 नवंबर 2026 को मनाए जाने वाले विधिक सेवा दिवस के अवसर पर पूरे सप्ताह जिलेभर में व्यापक स्तर पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम एवं विधिक साक्षरता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत दुर्ग जिले के दुर्ग, पाटन, भिलाई-3 एवं धमधा सहित विभिन्न क्षेत्रों में अधिक से अधिक ग्रामों, शहरी बस्तियों, विद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर पहुंचकर आम नागरिकों को उनके विधिक अधिकारों एवं कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।इन कार्यक्रमों का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के अध्यक्ष श्री के. विनोद कुजूर के मार्गदर्शन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के सचिव उमेश कुमार भागवतकर के समन्वय से किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत जिले के पैरा लीगल वॉलंटियर्स (PLV) सक्रिय रूप से सहभागिता निभाते हुए विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर आम नागरिकों को विधिक जानकारी प्रदान कर रहे हैं तथा उन्हें निःशुल्क विधिक सहायता सेवाओं के प्रति जागरूक कर रहे हैं।विधिक सेवा दिवस मनाने का प्रमुख उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना, आर्थिक एवं सामाजिक रूप से कमजोर, वंचित तथा जरूरतमंद व्यक्तियों को निःशुल्क विधिक सहायता के प्रति जागरूक करना और आम नागरिकों में न्यायिक व्यवस्था के प्रति विश्वास को मजबूत बनाना है।



सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते हुए चार गिरफ्तार

भिलाई, 10 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। सार्वजनिक स्थान पर ताश पत्ती से रुपये.पैसों का दांव लगाकर जुआ खेल रहे चार आरोपियों को सिटी कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे एवं जुआ फड से 7.100 रुपये नकदए ताश पत्ती की 52 पत्तियां तथा दो पुराने मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जब्त संपत्ति की कुल अनुमानित कीमत 16.100 रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार 9 नवंबर 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दुर्ग के एक सार्वजनिक स्थान पर कुछ व्यक्ति ताश पत्ती से जुआ खेल रहे हैं।

सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और चार आरोपियों को पकड़ लिया।गिरफ्तार आरोपियों में सूरज सोनी 20 वर्ष निवासी भाटापारा बघेरा अरविन्द कुमार निर्मलकर 26 वर्ष दीपक साहू 34 वर्ष एवं सौरभ राजपूत 25 वर्ष सभी निवासी इंदिरा नगर बघेरा दुर्ग शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 06552026 के तहत छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3.2 में अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की है।

सासाहोली में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया गौरा-गौरी उत्सव



- रानी सौरभ जैन ने भगवान भोलेनाथ, माता पार्वती एवं माँ लक्ष्मी के दर्शन कर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा, 10 नवम्बर। ग्राम सासाहोली में दीपावली पर्व के पावन अवसर पर प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी पारंपरिक गौरा-गौरी उत्सव श्रद्धा, भक्तिभाव एवं हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा तिल्दा-नेवरा शहर मंडल की अध्यक्ष एवं वार्ड क्रमांक 21 की पार्षद रानी सौरभ जैन कार्यक्रम में उपस्थित होकर आशीर्वाद लिया

इस दौरान उन्होंने माता गौरी एवं भगवान भोलेनाथ के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। साथ ही विराजमान माँ लक्ष्मी जी की पूजा-अर्चना कर समस्त क्षेत्रवासियों के सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

रानी सौरभ जैन ने कहा कि गौरा-गौरी उत्सव छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, धार्मिक आस्था और गौरवशाली परंपराओं का प्रतीक है। यह पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक एकता और पारिवारिक संस्कारों को मजबूत करने के साथ नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

उन्होंने कहा कि अपनी लोकसंस्कृति, रीति-रिवाजों एवं पारंपरिक पर्वों को सहेजना और आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। ऐसे आयोजन समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देते हैं।

अंत में उन्होंने भगवान भोलेनाथ, माता गौरी एवं माँ लक्ष्मी से समस्त क्षेत्रवासियों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली बनाए रखने की कामना की।

समाचार संक्षेप

सैनिक स्कूल अंबिकापुर में कक्षा छठी एवं नवमी में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू

- अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा 31 जनवरी 2027 को, अभ्यर्थी 2 दिसंबर तक कर सकेंगे आवेदन

रायपुर, 10 नवंबर। शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए सैनिक स्कूल अंबिकापुर सहित देशभर के सैनिक स्कूलों एवं नवीन सैनिक स्कूलों में कक्षा छठवीं और नौवीं में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा (द्वृस्श्वश्व-2027) का आयोजन 31 जनवरी 2027 को किया जाएगा। इच्छुक एवं पात्र विद्यार्थी 2 दिसंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 2 दिसंबर 2026

छत्तीसगढ़ के सैनिक स्कूल अंबिकापुर के प्राचार्य द्वारा जारी सूचना के अनुसार, रक्षा मंत्रालय के अधीन संचालित सैनिक स्कूल अंबिकापुर में कक्षा छठवीं एवं नौवीं में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों का चयन अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 3 नवंबर 2026 से प्रारंभ हो चुकी है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार ऑनलाइन आवेदन एवं परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 2 दिसंबर 2026, रात्रि 11.50 बजे तक निर्धारित की गई है। निर्धारित तिथि तक आवेदन नहीं कर पाने वाले अभ्यर्थी विलंब शुल्क के साथ (500 रुपये अतिरिक्त राशि के साथ) 3 से 6 दिसंबर 2026 तक आवेदन कर सकेंगे। आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार के लिए 7 से 9 दिसंबर 2026 तक अवसर प्रदान किया जाएगा।

31 जनवरी को होगी प्रवेश परीक्षा

अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा 31 जनवरी 2027 को आयोजित की जाएगी। परीक्षा केंद्र के शहर की जानकारी 11 जनवरी 2027 को जारी की जाएगी, जबकि प्रवेश पत्र 25 जनवरी 2027 से एनटीए की वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे।प्रवेश परीक्षा बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित होगी तथा पेन-पेपर मोड में ओएमआर शीट के माध्यम से आयोजित की जाएगी। कक्षा छठवीं में प्रवेश के लिए परीक्षा की अवधि 2.30 घण्टा (150 मिनट) की होगी तथा परीक्षा 13 माध्यमों में आयोजित की जाएगी। वहीं कक्षा नौवीं के लिए परीक्षा की अवधि 180 मिनट होगी और परीक्षा अंग्रेजी माध्यम में आयोजित की जाएगी।

एनटीए की वेबसाइट पर उपलब्ध है विस्तृत जानकारी

इच्छुक अभ्यर्थी राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की आधिकारिक वेबसाइट https://e&ams.nta.nic.in/sainik-school-society/ अथवा https://nta.ac.in/ पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश के लिए पात्रता, आयु सीमा, आरक्षण, परीक्षा पाठ्यक्रम, परीक्षा शुल्क एवं अन्य आवश्यक दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी सूचना पुस्तिका में उपलब्ध है। अभ्यर्थी एवं अभिभावक परीक्षा संबंधी किसी भी जानकारी या समस्या के समाधान के लिए एनटीए हेल्पडेस्क के दूरभाष नंबर 011-40759000 अथवा 011-69227700 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त ई-मेल aissee@nta.ac.in के माध्यम से भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

एक नजर

आबकारी वृत्त डोंगरगढ में फरार आरोपी की गिरफ्तारी



राजनांदगांव, 10 नवम्बर। कलेक्टर व जिला दण्डाधिकारी जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार अवैध शराब विक्रेताओं के विरूद्ध कार्रवाई की जा रही है। सहायक आयुक्त आबकारी राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि आबकारी उपनिरीक्षक डोंगरगढ़ अनिल सिंह द्वारा मुखबीर की सूचना पर मड़ीयान से झिंझारी रोड के बीच सिल्वर स्कार्पियों गाड़ी नंबर सीजी 04 एचए 8987 का पीछा करने पर आरोपी गाड़ी खड़ी कर फरार हो गया। गाड़ी की तलाशी लेने पर गाड़ी के भीतर मध्यप्रदेश निर्मित शराब 5 पेटी रॉयल स्टैग, 20 पेटी बॉम्बे स्पेशल, 20 पेटी गोवा स्पिरिट कुल 45 पेटी 2250 नग पाव कुल जप्त मात्रा 405 बल्क लीटर शराब कुल अनुमानित कीमत 305000 रूपए एवं गाड़ी की अनुमानित मूल्य 50 हजार रूपए कुल जप्ती राशि 805000 रूपए आकी गई है। फरार आरोपी के खिलाफआबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (2) 36 एवं 59 क तहत अपराध दर्ज किया गया था। मरोदा रिसाली जिला दुर्ग निवासी फरार आरोपी संजय लाल पारधी गिरफ्तार कर 13 दिवस के रिमांड पर जेल दाखिल किया गया है। आबकारी विभाग द्वारा सभी वृत्त प्रभारियों को होटल-ढाबों की नियमित जांच और अवैध मदिरा विक्रय के खिलाफकड़ी कार्रवाई की जा रही है।

उप मुख्यमंत्री और सांसद ने ग्रामीणों के बीच जमीन पर बैठकर किया समस्याओं का निराकरण

रायपुर, 10 नवम्बर। कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड अंतर्गत ग्राम खण्डसरा में आज विकास की एक नई सौगात मिली। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा तथा सांसद श्री संतोष पांडेय ने 20 लाख रुपए की लागत से बने नवीन ग्राम पंचायत भवन का लोकार्पण कर ग्रामीणों को समर्पित किया। इस अवसर पर ग्रामीणों में उत्साह का माहौल रहा। नवीन पंचायत भवन के शुभारंभ से ग्राम पंचायत के प्रशासनिक कार्यों के संचालन और ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर शासकीय सेवाएं उपलब्ध कराने में सुविधा होगी। कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने ग्रामीणों के बीच जमीन पर बैठकर उनकी समस्याएं और मांगें सुनीं। ग्रामीणों ने भी खुलकर अपनी बातें उप मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। श्री शर्मा ने एक-एक कर ग्रामीणों की समस्याओं की जानकारी ली और उनके निराकरण के लिए मौके पर ही आवश्यक पहल की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने ग्रामीणों से आत्मीय संवाद करते हुए कहा कि नवीन पंचायत भवन के निर्माण से पंचायत के कार्यों को बेहतर ढंग से संचालित करने के साथ ही ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि गांव के अंतिम व्यक्ति तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचे और नागरिकों को अपनी छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक परेशान न होना पड़े।

बगिया बैराज सिंचाई परियोजना से जशपुर के 13 गांवों में आएगी खुशहाली

3,921 से अधिक किसानों को मिलेगा लाभ

- मुख्यमंत्री साय ने 79.38 करोड़ रुपए की बगिया बैराज सह दाबयुक्त उद्वहन सिंचाई परियोजना का किया भूमिपूजन
- 8,454 हेक्टेयर कृषि भूमि को मिलेगी सिंचाई की सुविधा, खरीफ के साथ रबी की खेती को भी मिलेगा बढ़ावा
- आधुनिक तकनीक से संचालित होगी सिंचाई व्यवस्था
- किसानों को सालभर सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता : सीएम साय





रायपुर 10 नवम्बर। बगिया बैराज सिंचाई परियोजना से जशपुर के 13 गांवों में आएगी खुशहाली, 3,921 से अधिक किसानों को मिलेगा लाभ

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज जशपुर जिले के बगिया स्थित कैम्प कार्यालय में क्षेत्र के किसानों को बड़ी सौगात देते हुए 79 करोड़ 38 लाख 78 हजार रुपए की लागत से बनने वाली बगिया बैराज सह दाबयुक्त उद्वहन सिंचाई परियोजना के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इस महत्वाकांक्षी परियोजना से क्षेत्र के 13 गांवों के 3,921 से अधिक किसानों को सीधा लाभ मिलेगा तथा 8,454 हेक्टेयर कृषि भूमि में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि खेती-किसानी छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का आधार है और किसानों की समृद्धि हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि पर्याप्त सिंचाई सुविधा के अभाव में किसानों को कई बार मौसम और वर्षा पर निर्भर रहना पड़ता है। बगिया बैराज परियोजना के पूर्ण होने से क्षेत्र के किसानों की यह चिंता काफी हद तक दूर होगी। उन्हें खरीफ के साथ रबी की फसल के लिए भी सिंचाई का पानी उपलब्ध हो सकेगा। इससे किसान वर्ष में एक से अधिक फसल लेकर अपनी आमदनी बढ़ा सकेंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि इस परियोजना की विशेषता इसका आधुनिक तकनीक आधारित संचालन है। सिंचाई व्यवस्था को मोबाइल माध्यम से संचालित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में इस प्रकार की आधुनिक तकनीक पर आधारित यह पहली परियोजना है। इससे जल प्रबंधन को अधिक सुविधाजनक और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बैराज के निर्माण से वर्षभर जल उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ेगा। किसानों को समय पर सिंचाई के लिए पानी मिलने से कृषि उत्पादन बढ़ेगा और खेती में नई संभावनाएं विकसित होंगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के किसानों को आधुनिक सिंचाई सुविधाओं का लाभ मिले, खेती की लागत कम हो और उनकी आय में निरंतर वृद्धि हो।

उल्लेखनीय है कि बगिया बैराज का निर्माण मैनी नदी पर स्थित पुल से लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर ग्राम मुसकुटी में किया जाएगा। परियोजना से बगिया, रजौटी, सुजीबहार, दोकड़ा, पतरापाली, बांसबहार सहित आसपास के कुल 13 गांवों के किसानों को सिंचाई सुविधा का लाभ मिलेगा। परियोजना के पूर्ण होने से क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा और कृषि आधारित आजीविका को नई मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने परियोजना के भूमिपूजन पर क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह परियोजना केवल सिंचाई सुविधा का विस्तार नहीं, बल्कि हजारों किसान परिवारों की खुशहाली और क्षेत्र के कृषि विकास की मजबूत आधारशिला है।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय, श्रीमती कौशल्या साय, कलेक्टर श्री रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

मां वैष्णो देवी के दर्शन करने जिले के 21 तीर्थयात्री रवाना

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना से पूरी हो रही तीर्थयात्रा की अभिलाषा



रायपुर, 10 नवंबर। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत खैरागढ़-छुईखदान- गंडई जिले के 21 तीर्थयात्रियों का जत्था आज कलेक्ट्रेट परिसर से रवाना हुआ। जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री विक्रांत सिंह ने हरी झंडी दिखाकर दल को रवाना किया और यात्रियों की सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना की। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार चयनित ये तीर्थयात्री स्वर्ण मंदिर एवं माता वैष्णो देवी मंदिर के दर्शन करेंगे। यात्रा के दौरान दल वाघा बॉर्डर का भी भ्रमण करेगा। रवानगी से पूर्व कलेक्ट्रेट परिसर में अतिथियों ने तीर्थयात्रियों का पुष्पमाला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना वरिष्ठ एवं पात्र नागरिकों की आस्था का सम्मान करते हुए उन्हें धार्मिक स्थलों के दर्शन का अवसर उपलब्ध करा रही है। योजना से उनकी तीर्थयात्रा की अभिलाषा साकार हो रही है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला गुणवत्ता आश्वासन समिति की बैठक आयोजित

- परिवार नियोजन क्षतिपूर्ति योजना के प्रकरण की समीक्षा, निर्धारित प्रोटोकॉल के पालन पर जोर
- स्वास्थ्य संस्थाओं में सुरक्षित, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

खैरागढ़, 10 नवंबर। कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल की अध्यक्षता में जिला गुणवत्ता आश्वासन समिति (DQAC) की बैठक आयोजित की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार शुक्ल के निर्देशन तथा सिविल सर्जन डॉ. आशीष शर्मा की उपस्थिति में आयोजित बैठक में परिवार नियोजन सेवाओं एवं जिले की स्वास्थ्य संस्थाओं में गुणवत्ता सुधार गतिविधियों की समीक्षा की गई।

बैठक में परिवार नियोजन क्षतिपूर्ति योजना (FPIS) के अंतर्गत परिवार नियोजन सेवा की असफलता से संबंधित एक प्रकरण पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। प्रकरण के तथ्यों, आवश्यक दस्तावेजों एवं निर्धारित प्रक्रियाओं का अवलोकन कर सुधारात्मक दिशा-निर्देश दिए गए। परिवार नियोजन सेवाओं में निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन, लाभार्थियों को उचित परामर्श, आवश्यक सावधानियां बरतने तथा प्रकरणों की समयबद्ध रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

कलेक्टर चंद्रवाल ने स्वास्थ्य सेवाओं में गुणवत्ता, सुरक्षा एवं जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य संस्थाओं में नियमित आंतरिक मूल्यांकन, कमियों की पहचान एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (NQAS) एवं अन्य गुणवत्ता सुधार कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा मूल्यांकन की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। कलेक्टर ने अधिकारियों को आपसी समन्वय से नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए, ताकि नागरिकों को सुरक्षित, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

शहीद चूड़ामणि नायक वार्ड में रामकुण्ड मार्ग की गन्दगी, कचरा उठवाकर दिया स्वच्छता सन्देश

निगम ने डुमरतराई सब्जी मंडी रोड और अमलीडीह तालाब के किनारे चलाया विशेष सफाई अभियान

रायपुर, 10 नवम्बर। रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर मीनल चौबे और स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री चंद्राकर और आयुक्त श्री संबित मिश्रा के निर्देश पर सभी जोनो के स्वास्थ्य विभाग की टीमो द्वारा जोन कमिश्नरो के मार्गदर्शन में एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारियों की उपस्थिति में गंदगी कचरा मलबा वाले स्थानो को चिन्हित कर वहां सघन सफाई करवाकर स्वच्छता कायम करते हुए स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा अभियान अंतर्गत सीटीयू स्वच्छता लक्षित ईकाई का विकास कर नागरिको को राजधानी शहर में स्वच्छता का सकारात्मक संदेश देने का अभियान निरंतरता के साथ प्रगति पर है.

स्वच्छ भारत मिशन अभियान अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 के अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 7 स्वास्थ्य विभाग द्वारा जोन क्षेत्र के अंतर्गत शहीद चूड़ामणि वार्ड क्रमांक 37 क्षेत्र अंतर्गत रामकुण्ड मार्ग में जीई मार्ग के समीप मार्ग में फैली भारी गन्दगी और कचरे को उठवाकर वहाँ स्वच्छता कायम की और जन - जन को दीप पर्व अवसर





पर सकारात्मक स्वच्छता सन्देश दिया.

इसी प्रकार नगर निगम जोन क्रमांक 10 स्वास्थ्य विभाग द्वारा जोन क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 53 क्षेत्र के अंतर्गत डुमरतराई सब्जी मंडी क्षेत्र मार्ग के पास रायपुर नगर निगम द्वारा स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत विकसित सीटीयू क्षेत्र स्वच्छता लक्षित ईकाई क्षेत्र में फैली भारी गन्दगी, कचरा और अपशिष्ट पदार्थों को हटवाकर स्वच्छता जनहित में जनस्वास्थ्य सुरक्षा बाबत कायम कर जन - जन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाया गया. स्वच्छता ही सेवा अभियान अंतर्गत जोन 10 क्षेत्र अंतर्गत डॉ राजेन्द्र प्रसाद वार्ड क्रमांक 52 क्षेत्र अंतर्गत अमलीडीह तालाब के किनारे पसरी भारी गन्दगी और कचरे को उठवाकर और स्वच्छता तालाब क्षेत्र में कायम करते हुए जन - जन को सकारात्मक स्वच्छता सन्देश रायपुर नगर पालिक निगम की ओर से दिया गया.

वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान अंतर्गत विशेष जागरूकता व जनभागीदारी शिविर

राजनांदगांव, 10 नवम्बर। छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक शाखा तुमड़ीबोड़ के क्षेत्रीय कार्यालय राजनांदगांव द्वारा डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम ढाबा के पंचायत परिसर में वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान अंतर्गत विशेष जागरूकता एवं जनभागीदारी शिविर का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय रिजर्व बैंक रायपुर के डीजीएम प्रदीप गोंधुले उपस्थित थे। शिविर में 100 से अधिक ग्रामीणों एवं हितग्राहियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को विभिन्न वित्तीय समावेशन योजनाओं एवं बैंकिंग सुविधाओं के प्रति जागरूक किया गया।

शिविर में प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, रे-केवायसी एवं सीकेवायसी, मनी म्यूल से संबंधित साइबर वित्तीय जागरूकता, बैंक खातों में नॉमिनेशन की आवश्यकता एवं



महत्व सहित अन्य शासकीय सामाजिक सुरक्षा योजनाएं एवं बैंकिंग सुविधाएं की जानकारी दी गई। शिविर में ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं से अधिकाधिक जुड़ने, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ उठाने, अपने बैंक खातों की केवायई पूर्ण रखने तथा सुरक्षित डिजिटल लेनदेन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

शिविर में छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक क्षेत्रीय कार्यालय राजनांदगांव के क्षेत्रीय प्रबंधक आशीष सिंह, क्षेत्रीय कार्यालय से एफआई (वित्तीय समावेशन) मैनेजर अरविंद द्विवेदी एवं अनिल रजक, शाखा प्रबंधक तुमड़ीबोड़ ग्रामीण बैंक अमित कुमार एवं अधिकारी मयंक कुमार, ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, अन्य जनप्रतिनिधि तथा बैंककर्मी उपस्थित थे।

कांग्रेस कहती रही,पीएम मोदी ने करके दिखाया

आजादी के बाद से देश में गरीबी सबसे बड़ी समस्या रही है।कोई भी देश तेजी से विकास नहीं कर सकता यदि देश में गरीबी ज्यादा है। देश के विकास के लिए गरीबी को कम करना जरूरी होता है। आजादी के बाद कई दशकों तक कांग्रेस सत्ता में रही और देश में गरीबी हटाओं का नारा लगाती रही लेकिन देश से गरीबी को कम करने के लिए जो कुछ किया जाना था,नही किया गया यही वजह है कि जब तक कांग्रेस सत्ता में रही,गरीबी देश में दूसरे देशों की तरह कम नहीं हुई वह देश की गंभीर समस्या बनी रही।कांग्रेस की जगह कोई और राजनीतिक दल होता तो वह जरूर गरीबी दूर करने का प्रयास करता। गरीबी दूर नही होती वह कम तो होती लेकिन कांग्रेस ने गरीबों को भी अपना वोट बैंक समझा और माना जब तक गरीबी है,वोट गरीबी हटाने के नाम पर गरीब उसको वोट देते रहेंगे।गरीबों के वोट से कांग्रेस सत्ता में रही,गरीबी हटाने की जगह गरीबी हटाने का वादा करती रही और गरीब कांग्रेस के समय गरीब ही बने रहे।.यही वजह है कि आज भी राहुल गांधी जैसे नेता कहते हैं कि गरीबी एक मानसिक अवस्था है। कांग्रेस के कुछ नेता आज जब भी भारत व पीएम मोदी को नीचा दिखाना होता है तो वह चीन का उदाहरण देते हैं और भारत को विकास के मामले में पिछड़ा बताने का प्रयास करते हैं। कांग्रेस के ऐसे नेताओं को यह जानकर जोर का झटका लग सकता है कि गरीबी हटाने के मामले में पीएम मोदी ने चीन को भी पीछे छोड़ दिया है।चीन को अपने यहां गरीबी कम करने में 40 साल लगे तो पीएम मोदी ने भारत में वही काम यानी गरीबी कम करने का काम मात्र 12 साल में कर दिखाया! दुनिया के किसी दूसरे नेता ने नरेंद्र मोदी जैसी आर्थिक उपलब्धि इतने कम समय में हासिल नहीं की है? तुलनात्मक रूप से देखें तो चीन ने 1978 के बाद लगभग चार दशकों में करीब 77 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का ऐतिहासिक दावा किया था।बचपन में गरीबी को झेलने वाले PM ने 49.6 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया है।विश्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने 2011 से 2023 के बीच अनुमानित 49.6 करोड़ लोगों को 4.20 डॉलर प्रतिदिन वाली निम्न-मध्यम आय वर्ग की गरीबी रेखा से ऊपर उठाया। इस अवधि में इस श्रेणी में आने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत रह गया। बचपन में घोर गरीबी में रहने वाले और जीवनयापन के लिए रेलवे स्टेशन पर चाय बेचने वाले नरेंद्र मोदी ने जब देश के प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी संभाली, तो उनके सामने भारत की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक थी गरीबी की समस्या थी। करोड़ों लोगों के पास न पक्का मकान था, न बैंक खाता, न शौचालय, न रसोई गैस और न ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी ने गरीबों को सरकारी योजनाओं के केंद्र में रखते हुए गरीबी से देश को बाहर निकालने का काम शुरू किया। अब इस काम के सुखद परिणाम सामने आने लगे हैं जिसे अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं भी मान रही हैं। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि अत्यंत गरीबी में रहने वाली आबादी का अनुपात 2011 के 27.1 प्रतिशत से घटकर 2023 में महज 2.6 प्रतिशत रह गया। विश्व बैंक ने भारत की इस प्रगति को दुनिया में गरीबी घटने की सबसे तेज प्रक्रियाओं में से एक माना है। यह सब पहले भी संभव भी था लेकिन पीएम मोदी ने जिस तरह मजबूत घरेलू उपभोग, रोजगार में वृद्धि, विशेषकर महिलाओं की बढ़ती रोजगार भागीदारी और खाद्य सब्सिडी सहित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के जरिए यह काम करने में सफल रहे,कांग्रेस अपने समय में यह सोच नही सकी कि गरीबी दूर भी की जा सकती है। विशेष बात यह है कि भारत ने इतनी बड़ी आबादी, व्यापक सामाजिक विविधता और कोविड जैसी वैश्विक महामारी की चुनौतियों के बावजूद निर्धनता कम करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है,यह कोई आसान काम नहीं था।इसके लिए सतत प्रयास की जरूरत थी,भारत को विकसित भारत बनाने के लक्ष्य को हासिल करने का संकल्प था और गरीबी का देश में कम होना संकल्प की सिध्दि है यह सिध्दि हर भारतीय के लिय़ गौरव की बात है। यह मोदी सरकार की युगान्तरकारी जन-कल्याण योजनाओं एवं गरीबी उन्मूलन के संकल्पों का ही परिणाम है। इस परिवर्तन के पीछे केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि विकास को जनकल्याण से जोड़ने की नीति भी महत्वपूर्ण रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जनधन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, हर घर जल, आयुष्मान भारत, मुद्रा योजना और मुफ्त खाद्यान्न वितरण जैसी योजनाओं ने निर्धन परिवारों के जीवन में व्यापक बदलाव लाने का काम किया है। पीएम मोदी की इन योजनाओं से गरीबों को आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, भोजन और वित्तीय समावेशन जैसी बुनियादी ,सुविधाएं मिली तो उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा और आज देश के करोड़ो लोग कुछ न कुछ कर रहे है,कुछ न कुछ बना रहे हैं, कुछ न कुछ सीख रहे हैं। पहले गरीब होने का मतलब होता था कि आदमी खुद को असहाय समझता था, वह मानता था कि वह देश के लिए कुछ नहीं कर सकता।आज गरीब आदमी को भी इस बात का भरोसा है वह अपनी गरीबी दूर सकता है,जब देश के नेतृत्व के साथ ही निचले स्तर के आदमी में भरोसा होता है कि हम देश मे बदलाव ला सकते हैं तो देश में बदलाव १२ साल में होता है और वह दिखता भी है और उसकी विश्व में सराहना भी होती है।

भैया दूज

रिश्तों की मिठास से संस्कारों के संरक्षण तक

ललित गर्ग

भारतीय संस्कृति में पर्व केवल कैलेंडर की तारीखें नहीं, बल्कि जीवन-मूल्यों को पुनर्जीवित करने के अवसर हैं। हर त्योहार के पीछे कोई न कोई सामाजिक, पारिवारिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संदेश छिपा है। दीपावली के पंचपर्वों की श्रृंखला में आने वाला भैया दूज भी ऐसा ही आत्मीय पर्व है, जो भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को स्नेह, विश्वास, सुरक्षा और कर्तव्य की डोर से बांधता है। यह पर्व मानो रिश्तों की सूखी धरती पर संवेदनाओं की फुहार है, जो मनुष्य को याद दिलाता है कि जीवन की सबसे बड़ी पूंजी धन नहीं, बल्कि अपनेपन का भाव है। भैया दूज कार्तिक शुक्ल द्वितीया को मनाया जाता है। बहन भाई के मस्तक पर तिलक लगाती है, आरती करती है, उसके सुख, स्वास्थ्य, दीर्घायु और मंगल की कामना करती है तथा भाई अपनी बहन के प्रति स्नेह और संरक्षण का संकल्प व्यक्त करता है। देखने में यह परंपरा जितनी सरल है, उसका भावार्थ उतना ही व्यापक है। यह केवल एक भाई और एक बहन का रिश्ता नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज में परस्पर सम्मान, सहयोग, करुणा और सुरक्षा की भावना को मजबूत करने का सांस्कृतिक विधान है।



पौराणिक कथा में यमराज और यमुना का प्रसंग इस पर्व की आत्मा को उजागर करता है। यमुना ने अपने भाई यमराज को प्रेमपूर्वक अपने घर आमंत्रित किया। यमराज ने बहन के स्नेह को स्वीकार किया और उसके आतिथ्य से प्रसन्न होकर वरदान दिया। तभी से यह दिन यम द्वितीया के रूप में भी प्रतिष्ठित हुआ। कथा का वास्तविक संदेश चमत्कार में नहीं, रिश्ते निभाने की संवेदना में है। बहन का प्रेम और भाई का उत्तरदायित्व मिलकर उस विश्वास को जन्म देते हैं, जिसमें जीवन की कठिनाइयों के सामने मनुष्य अकेला नहीं पड़ता। हमारे पूर्वजों ने रिश्तों को केवल रक्त संबंधों तक सीमित नहीं रखा था। उन्होंने उनमें कर्तव्य और मर्यादा का भाव जोड़ा। इसीलिए भैया दूज हमें यह सिखाता है कि बहन के प्रति भाई का दायित्व केवल उपहार देना नहीं, बल्कि उसके सम्मान, सुरक्षा और स्वाभिमान के प्रति सजग रहना है। इसी तरह बहन का स्नेह केवल तिलक तक सीमित नहीं, बल्कि भाई के जीवन में सद्भाव, संयम और सदाचार की कामना से जुड़ा है।

आज के बदलते सामाजिक परिवेश में इस संदेश की प्रासंगिकता और बढ़ गई है। परिवार छोटे हो रहे हैं, जीवन की गति तेज हो रही है और डिजिटल दुनिया ने संवाद के अनेक रास्ते तो खोले हैं, लेकिन दिलों के बीच की दूरी कई बार बढ़ा दी है। रिश्ते कभी-कभी संदेशों और इमोजी तक सिमट जाते हैं। ऐसे समय में भैया दूज हमें रिश्तों को औपचारिकता नहीं, आत्मीयता से जीने की सीख देता है। दुर्भाग्य से पर्वों के साथ प्रदर्शन और बाजारवाद का प्रभाव भी बढ़ा है। महंगे उपहार, दिखावटी आयोजन और सामाजिक प्रतिस्पर्धा ने कई बार त्योहार की आत्मा को पीछे धकेल दिया है। ''चमक-दमक से दीप जल सकता है, लेकिन रिश्तों में उजाला प्रेम से ही आता है।'' भैया दूज का अर्थ जेब की क्षमता नहीं, हृदय की समृद्धि है। बहन को कितना महंगा उपहार मिला, इससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि भाई ने उसकी बात कितनी सुनी, उसके सम्मान के लिए कितना खड़ा रहा और कठिन समय में उसका हाथ कितनी मजबूती से थामा।

भारत के विभिन्न क्षेत्रों में यह पर्व अलग-अलग लोकपरंपराओं के साथ मनाया जाता है। कहीं इसे भाई दूज, कहीं भाई बीज और कहीं यम द्वितीया कहा जाता है। महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार सहित अनेक क्षेत्रों की अपनी विशिष्ट रस्में हैं। इन विविधताओं में भारतीय



संस्कृति की खूबसूरती दिखाई देती है। ''कोस-कोस पर पानी बदले, चार कोस पर बानी'' वाली इस भूमि में परंपराएं भले बदल जाएं, लेकिन उनके मूल में छिपा प्रेम और आत्मीयता का भाव एक ही रहता है। भैया दूज का एक और व्यापक संदेश है-स्त्री के सम्मान का। यदि भाई बहन की रक्षा का संकल्प लेता है तो यह भावना समाज की प्रत्येक बेटी और प्रत्येक महिला के सम्मान तक विस्तार पाती है। बहन के प्रति सम्मान का अर्थ तभी सार्थक है, जब वही दृष्टि हम हर स्त्री के प्रति रखें। घर की बहन सुरक्षित हो और समाज की बेटी असुरक्षित-यह विरोधाभास हमारी संस्कृति की आत्मा के अनुकूल नहीं हो सकता।

आज जब भारत विकसित भारत और विश्वगुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है। सभ्यता की ऊंचाई इमारतों से नहीं, मनुष्यता की ऊंचाई से मापी जाती है। यदि परिवारों में संस्कार, समाज में संवेदना और जीवन में नैतिकता मजबूत होगी, तभी विकास स्थायी और सार्थक बनेगा। भैया दूज जैसे पर्व इसी सांस्कृतिक पूंजी को सुरक्षित रखने का माध्यम हैं। इस पर्व का संदेश सीमाओं पर देश की रक्षा करने वाले सैनिक भाइयों तक भी पहुंचना चाहिए। कितनी ही बहनें ऐसी हैं जिनके भाई त्योहार के दिन भी मातृभूमि की सुरक्षा में तैनात रहते हैं। उनके लिए बहन की प्रार्थना और देशवासियों का सम्मान ही सबसे बड़ा तिलक है। वास्तव में भैया दूज का प्रेम तभी व्यापक होगा, जब वह अपने भाई से आगे बढ़कर हर उस व्यक्ति के प्रति संवेदना बने जो परिवार, समाज और राष्ट्र की रक्षा में अपना जीवन समर्पित कर रहा है।

भारतीय संस्कृति ने नारी को केवल संरक्षण की वस्तु नहीं माना। हमारे यहां ''यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः'' की भावना रही है। गार्गी और मैत्रेयी जैसी विदुषियों ने ज्ञान की परंपरा में अपनी स्वतंत्र पहचान बनाई। रानी लक्ष्मीबाई ने रणभूमि में अद्भुत शौर्य का परिचय दिया। अहिल्याबाई होल्कर ने शासन और लोककल्याण का आदर्श स्थापित किया। सावित्रीबाई फुले ने स्त्री-शिक्षा की मशाल जलाई। आधुनिक भारत में कल्पना चावला से लेकर अनेक महिला वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष यात्रियों तक ने यह सिद्ध किया कि प्रतिभा का कोई लिंग नहीं होता। इसलिए बहन-भाई से जुड़े भैया दूज पर्व को अतीत की स्मृति और वर्तमान की चेतना के बीच एक सेतु बनाना होगा।

हमारी संस्कृति का संरक्षण तभी सार्थक है जब वह जीवन को आगे बढ़ाए, उसे पीछे न खींचे। परंपरा वह नहीं जो केवल दोहराई जाए, परंपरा वह है जो समय के साथ नए अर्थ पैदा करे। भैया दूज का आध्यात्मिक पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। संसार में सबसे बड़ी असुरक्षा बाहरी नहीं, भीतर की है। भय, क्रोध, लोभ, अहंकार, ईर्ष्या और द्वेष मनुष्य की आत्मिक शांति को कमजोर करते हैं। जैन दर्शन की दृष्टि से देखें तो वास्तविक सुरक्षा बाहरी कवच से नहीं, आत्मसंयम और आत्मजागरण से होती है। जब मनुष्य अपने भीतर के विकारों से स्वयं की रक्षा करना सीख जाता है, तभी वह दूसरों के लिए भी सुरक्षा और शांति का माध्यम बनता है। इस दृष्टि से भैया दूज का ऐतिहासिक पर्व भाई-बहन के पवित्र एवं पावन रिश्ते को एक नया विश्वास एवं सौहार्द का शिखर देने का पर्व है।

भैया दूज हमें अंततः यही सिखाता है कि रिश्ते मांगने से नहीं, निभाने से मजबूत होते हैं। प्रेम बांटने से घटता नहीं, बढ़ता है, विश्वास देने से टूटता नहीं, गहरा होता है। इसलिए इस बार भैया दूज पर केवल तिलक और मिठाई की रस्म पूरी न करें, बल्कि एक-दूसरे के प्रति सम्मान, सहयोग और संवेदना का संकल्प लें। जब रिश्तों में स्वार्थ की जगह समर्पण, औपचारिकता की जगह आत्मीयता और प्रदर्शन की जगह संस्कार होंगे, तभी भैया दूज वास्तव में सार्थक होगा। दीपावली के दीपों के बीच यह पर्व हमें यही संदेश देता है-घर का उजाला बिजली से नहीं, रिश्तों की गर्माहट से होता है और जिस समाज के रिश्ते जीवंत हों, उसकी संस्कृति कभी अंधकार में नहीं जा सकती।

राशिफल

मेष आज का दिन आपको सोच-समझकर कदम उठाने और अपने धैर्य को बनाए रखने की सीख दे सकता है। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें और फिजूलखर्ची से बचने की कोशिश करें। कोई बड़ा निर्णय लेने से पहले उसके सभी पहलुओं पर अच्छी तरह विचार करना जरूरी होगा। सेहत के मामले में लापरवाही न करें।

वृषभ आज भाग्य का साथ मिलने से आपके कई काम आसानी से पूरे हो सकते हैं। जिस काम को लेकर आप काफी समय से प्रयास कर रहे हैं, उसमें सकारात्मक परिणाम मिलने की उम्मीद है। निवेश से लाभ होने और कारोबार में तेजी आने के संकेत हैं, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूती मिल सकती है।

मिथुन आज आपकी समझदारी, बुद्धिमानी और सही समय पर निर्णय लेने की क्षमता आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होने के संकेत हैं और लंबे समय से अटका हुआ धन वापस मिलने से मन को राहत मिल सकती है।

कर्क आज आपको अपनी प्राथमिकताएं तय करके अधूरे कामों को पूरा करने पर ध्यान देना चाहिए। जिन जिम्मेदारियों को आप लगातार टाल रहे हैं, वे आगे चलकर परेशानी का कारण बन सकती हैं। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतें और जल्दबाजी में कोई कदम न उठाएं।

सिंह आज आपका व्यक्तित्व और प्रभाव लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बन सकता है। आपकी मधुर वाणी और व्यवहार दूसरों को प्रभावित करेंगे, वहीं कार्यस्थल पर सहयोगियों का साथ मिलने से काम करना आसान होगा। आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा साबित करने के कई अवसर मिल सकते हैं।

कन्या आज का दिन कामकाज की व्यस्तता और भागदौड़ से भरा रह सकता है। किसी व्यावसायिक या जरूरी काम के सिलसिले में यात्रा करनी पड़ सकती है, जिसके कारण थकान महसूस हो सकती है। परिवार से जुड़ा कोई विषय मन में चिंता पैदा कर सकता है, इसलिए परेशानियों को अकेले संभालने के बजाय अपनों से बातचीत करें।

तुला आज घर-परिवार में खुशियों और उत्साह का माहौल बन सकता है। परिवार में किसी नए सदस्य के आगमन की सूचना मिल सकती है या शादी-विवाह से जुड़ी तैयारियां घर की रौनक बढ़ा सकती हैं। अपनों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक आज का दिन खुशियों के साथ कुछ अतिरिक्त जिम्मेदारियां भी लेकर आ सकता है। कामकाज का दबाव बढ़ने से थोड़ी थकान या मानसिक व्यस्तता महसूस हो सकती है, लेकिन छोटे-छोटे आर्थिक लाभ आपका उत्साह बनाए रखेंगे। पड़ोस में किसी मुद्दे को लेकर विवाद की स्थिति बन सकती है।

धनु आज आपके सामने आगे बढ़ने और अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के कई अवसर आ सकते हैं। आय बढ़ाने के नए रास्तों पर विचार करने का मौका मिलेगा और सही योजना के साथ काम करने पर लाभ की संभावना भी बन सकती है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने पर पुरानी यादें ताजा होंगी और मन प्रसन्न रहेगा।

मकर आज आपको हर महत्वपूर्ण कदम सोच-समझकर उठाने की जरूरत होगी। जल्दबाजी या अधूरी जानकारी के आधार पर लिया गया फैसला आर्थिक और व्यक्तिगत मामलों में परेशानी पैदा कर सकता है। इसलिए किसी भी बड़े निर्णय से पहले सभी जरूरी तथ्यों को समझ लें और आवश्यकता पड़ने पर अनुभवी व्यक्ति की सलाह लें।

कुंभ आज कारोबार में लाभ मिलने की संभावना है, हालांकि काम के दौरान तकनीकी समस्याएं या छोटी-मोटी रुकावटें आपकी गति धीमी कर सकती हैं। ऐसी परिस्थितियों में परेशान होने के बजाय अपने अनुभव और व्यावहारिक समझ का इस्तेमाल करें। धैर्य से काम लेने पर समस्याओं का समाधान मिल सकता है।

मीन आज आपकी मेहनत, लगन और जिम्मेदारी निभाने का तरीका लोगों के सामने आपकी अच्छी छवि बना सकता है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने की संभावना है, जिससे मन प्रसन्न होगा और पुरानी यादें फिर से ताजा हो सकती हैं। परिवार के साथ बिताया गया समय आपको भावनात्मक संतोष देगा। जीवनसाथी के साथ कुछ खास पल बिताने का अवसर मिल सकता है.

भैया दूज

बदलते समय में भाई दूज: प्रेम और अपनापन कैसे बना रहे?

डॉ. सत्यवान सौरभ



भाई दूज केवल तिलक और मिठाई का त्योहार नहीं, बल्कि भाई-बहन के रिश्ते में प्रेम, विश्वास और आत्मीयता की वह डोर है, जो समय की तेज रफ्तार के बीच भी स्नेह का रंग बनाए रखती है। बदलते दौर में जब मुलाकातें वीडियो कॉल तक सिमटती जा रही हैं और तिलक डिजिटल इमोजी का रूप ले रहा है, तब यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या रिश्तों की गर्माहट अब भी पहले जैसी बनी हुई है? भाई दूज हमें याद दिलाती है कि प्रेम केवल परंपरा नहीं, बल्कि आत्मीयता और संवेदनाओं को जीवित रखने का निरंतर अभ्यास है। यह पर्व हमें अपने व्यस्त जीवन में अपनों के लिए समय निकालने और रिश्तों में अपनापन लौटाने का अवसर देता है। दीपावली के बाद जब उत्सव का उल्लास धीरे-धीरे शांत होने लगता है, तब भाई दूज की सुबह घरों में प्रेम और मिठास का संदेश लेकर आती है। बहनें अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाती हैं, आरती उतारती हैं और उनके सुखी एवं स्वस्थ जीवन की कामना करती हैं। भाई भी बहन को उपहार देकर जीवनभर उसके साथ खड़े रहने का विश्वास दिलाता है। यह परंपरा देखने में जितनी सरल है, भावनात्मक रूप से उतनी ही गहरी है। तिलक केवल माथे पर लगाया जाने वाला चिह्न नहीं, बल्कि रिश्तों में विश्वास, सम्मान, सुरक्षा और प्रेम का प्रतीक है। लेकिन आज जब समय बदल रहा है और रिश्तों की परिभाषाएँ भी नए रूप ले रही हैं, तब यह विचार करना जरूरी है कि क्या भाई-बहन के रिश्ते में पहले जैसी सहजता और आत्मीयता बची हुई है? क्या यह रिश्ता अब भी उतना ही भावनात्मक और विश्वासपूर्ण है, जैसा कभी गाँव की मिट्टी, घर के आँगन और बचपन की स्मृतियों में हुआ करता था? एक समय था जब भाई दूज केवल त्योहार नहीं, बल्कि परिवार के मिलन और खुशियों का अवसर हुआ करती थी। बहनें सुबह से तैयार होकर भाइयों की प्रतीक्षा करती थीं। घरों में पकवानों की खुशबू फैल जाती थी। भाई दूर-दराज से बहन के घर पहुँचते थे, क्योंकि इस दिन का विशेष महत्व मिलने-जुलने और साथ समय बिताने में था। न दिखावे की चिंता होती थी और न ही उपहारों की प्रतिस्पर्धा। रिश्तों में सच्चा प्रेम, विश्वास और भावनाओं का सहज प्रवाह होता था। आज भी भाई दूज पूरे उत्साह से मनाई जाती है, लेकिन कहीं-कहीं इसकी आत्मीयता औपचारिकताओं के बीच धुंधली पड़ती दिखाई देती है। तिलक की जगह कई बार व्हाट्सऐप पर भेजे गए इमोजी और शुभकामना संदेश ले लेते हैं। सोशल मीडिया पर भाई दूज की बधाइयाँ तो खूब दिखाई देती हैं, लेकिन उनके पीछे वह आत्मीयता और भावनात्मक जुड़ाव हमेशा दिखाई नहीं देता, जो बहन की आँखों में भाई को सामने देखकर झलकता था। यह बदलाव केवल तकनीक का नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली और संवेदनाओं का भी है। तकनीक ने हमें भौगोलिक दूरियों के बावजूद जोड़ने का अवसर दिया है, लेकिन कई बार हम रिश्तों को दिल से निभाने के बजाय मोबाइल और डिजिटल माध्यमों तक सीमित कर देते हैं। भाई दूज जैसे पर्व, जो निकटता, स्नेह और संवाद के प्रतीक हैं, कहीं-कहीं सोशल मीडिया के स्टेटस और औपचारिक संदेशों तक सिमटते जा रहे हैं। आधुनिक जीवन की भागदौड़, व्यावसायिक दबाव और बढ़ती आत्मकेंद्रित प्रवृत्ति ने हमारे पारिवारिक संबंधों को भी प्रभावित किया है।

भाई दूज का पर्व केवल बहन की पूजा या भाई द्वारा सुरक्षा का वचन देने तक सीमित नहीं है। यह भाई-बहन के बीच भावनात्मक संतुलन, सहयोग और पारस्परिक सम्मान का प्रतीक भी है। बदलते समय में इस रिश्ते को केवल संरक्षण और निर्भरता के पुराने दायरे में देखना उचित नहीं होगा। आज बहनें शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन के हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं और अपने जीवन के निर्णय स्वयं लेने में सक्षम हैं। यह बदलाव सकारात्मक है। अब बहन को केवल सुरक्षा की आवश्यकता रखने वाली व्यक्ति के रूप में नहीं, बल्कि समान अधिकारों और आत्मसम्मान वाली स्वतंत्र व्यक्तित्व के रूप में स्वीकार करना चाहिए।

हालाँकि आत्मनिर्भरता और समानता के इस दौर में भी भाई-बहन के रिश्ते की गर्माहट बनाए रखना उतना ही जरूरी है। रिश्तों का महत्व किसी की निर्भरता में नहीं, बल्कि एक-दूसरे के प्रति सम्मान, विश्वास और भावनात्मक सहयोग में होता है। शहरीकरण, रोजगार की तलाश में पलायन और व्यस्त जीवनशैली ने परिवारों के बीच भौतिक दूरियाँ बढ़ा दी हैं। पहले भाई अपनी बहन के घर जाकर पूरा दिन उसके परिवार के साथ बिताता था। आज कई बार मुलाकात कुछ मिनटों तक सीमित रह जाती है या फिर वीडियो कॉल से ही त्योहार की औपचारिकता पूरी कर ली जाती है। निश्चित रूप से तकनीक दूर रहने वाले भाई-बहनों के लिए एक उपयोगी माध्यम है, लेकिन जब संभव हो, तब व्यक्तिगत मुलाकात और साथ बिताया गया समय



रिश्तों को विशेष मजबूती प्रदान करता है।

त्योहारों का वास्तविक उद्देश्य ही रिश्तों को फिर से जीवंत करना और दूरियों को कम करना है। भाई दूज हमें हर वर्ष यह याद दिलाती है कि रिश्ते केवल खून के संबंध से नहीं, बल्कि व्यवहार, विश्वास और निरंतर संवेदनशीलता से मजबूत होते हैं। आधुनिक जीवन की व्यस्तता ने हमें भावनाओं को भी समय-सारिणी में बाँधने के लिए विवश कर दिया है। कभी-कभी ऐसा लगता है कि रिश्ते भी कैलेंडर में दर्ज कुछ विशेष अवसरों के मेहमान बनकर रह गए हैं।

आज की बहनें अपने भाइयों से केवल उपहार या आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि भावनात्मक साझेदारी की अपेक्षा रखती हैं। वे चाहती हैं कि भाई उनकी भावनाओं को समझे, उनके विचारों का सम्मान करे और जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों में उनका साथ दे। इसी प्रकार भाइयों को भी बहनों से स्नेह, सहयोग और संवेदनशीलता की अपेक्षा होती है। यही रिश्ते का आधुनिक स्वरूप है, जिसमें समानता, स्वतंत्रता और आत्मीयता का सुंदर संतुलन दिखाई देता है।

भाई दूज को अब केवल बहन की सुरक्षा के प्रतीक के रूप में नहीं, बल्कि आपसी सम्मान, समान अधिकार और संवाद के पर्व के रूप में भी समझने की आवश्यकता है। भाई-बहन का रिश्ता बचपन तक सीमित नहीं होता, बल्कि जीवनभर साथ चलने वाला भावनात्मक संबंध है। जीवन के रास्ते भले ही अलग-अलग हों, लेकिन दिलों के रास्ते जुड़े रहने चाहिए। आज का समाज कई बार रिश्तों को भी उपयोगिता, व्यावसायिकता और व्यक्तिगत लाभ की कसौटी पर परखने लगा है। ऐसे समय में भाई दूज हमें यह संदेश देती है कि प्रेम का कोई विकल्प नहीं हो सकता। तकनीक संवाद के साधन उपलब्ध करा सकती है, लेकिन आत्मीयता के लिए संवेदनशील व्यवहार, समय, विश्वास और अपनापन आवश्यक हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि हमें आधुनिक तकनीक या बदलती जीवनशैली का विरोध करना चाहिए। समय के साथ त्योहारों के स्वरूप में बदलाव स्वाभाविक है। आवश्यकता केवल इतनी है कि इस बदलाव के बीच भावनाओं का मूल आधार सुरक्षित रहे। भाई दूज को नया अर्थ देते हुए भाई और बहन दोनों को एक-दूसरे की स्वतंत्रता, संघर्षों, आकांक्षाओं और निर्णयों का सम्मान करना चाहिए। आज की बहनें अपने भाइयों से केवल सुरक्षा नहीं, बल्कि समानता और सम्मान चाहती हैं। वहीं भाइयों को भी यह समझना चाहिए कि बहन की स्वतंत्रता उसकी शक्ति है, कोई विद्रोह नहीं। यह पारस्परिक समझ रिश्ते को अधिक परिपक्व और मजबूत बना सकती है। भाई दूज एक ऐसे समाज की कल्पना को भी साकार करने का अवसर है, जहाँ स्त्री और पुरुष के बीच संबंध संरक्षण और निर्भरता के बजाय सहयोग, सम्मान और संवेदना पर आधारित हों। त्योहारों की भी अपनी एक विशेष भाषा होती है। वे हमें उन भावनाओं और स्मृतियों से जोड़ते हैं, जिन्हें हम रोजमर्रा की भागदौड़ में भूल जाते हैं। भाई दूज की भाषा प्रेम, स्मृति, विश्वास और कृतज्ञता की भाषा है। यह पर्व हमें बचपन के उन दिनों की याद दिलाता है, जब बिना किसी स्वार्थ के हम एक-दूसरे की परवाह करते थे और रिश्तों में लेन-देन की भावना नहीं होती थी। इस अवसर पर हमें स्वयं से एक प्रश्न अवश्य पूछना चाहिए कि क्या हम आज भी अपने भाई-बहनों के प्रति उतने ही आत्मीय हैं, जितने बचपन में हुआ करते थे? यदि उत्तर हाँ है, तो समझिए कि त्योहार की आत्मा आज भी जीवित है। लेकिन यदि इस आत्मीयता में कमी आई है, तो इसे फिर से जीवंत करने की जिम्मेदारी भी हमारी ही है। इसके लिए किसी बड़े आयोजन या महंगे उपहार की आवश्यकता नहीं है। बहन के घर जाकर उसका हाल पूछना, भाई को गले लगाना, बचपन की यादें साझा करना और कठिन समय में एक-दूसरे के साथ खड़े रहना ही पर्याप्त है। भाई दूज का वास्तविक अर्थ यही है कि समय की धूल रिश्तों पर जम सकती है, लेकिन प्रेम और अपनापन कभी फीका नहीं पड़ना चाहिए। यह पर्व हमें सिखाता है कि रिश्तों को मजबूत बनाए रखने के लिए निरंतर संवाद और संवेदनशीलता आवश्यक है। प्रेम का रिश्ता कभी पुराना नहीं होता, बस उसे समय-समय पर स्नेह और विश्वास से सँवारने की जरूरत होती है।

आज जब दुनिया तेजी से डिजिटल रिश्तों की ओर बढ़ रही है, तब ऐसे त्योहार हमें मानवीय संवेदनाओं और पारिवारिक मूल्यों से जोड़े रखते हैं। वे बताते हैं कि जीवन की सबसे बड़ी पूँजी धन, संपत्ति या भौतिक सुविधाएँ नहीं, बल्कि अपने लोग और उनके साथ जुड़ी भावनाएँ हैं। इसलिए भाई दूज का तिलक केवल माथे पर नहीं, बल्कि मन पर भी लगना चाहिए, जहाँ अपनापन, स्मृति और कृतज्ञता की भावनाएँ हमेशा बनी रहें। भाई दूज का संदेश बहुत सरल और गहरा है। रिश्तों को निभाने के लिए बड़ी-बड़ी रस्मों की नहीं, बल्कि छोटी-छोटी संवेदनाओं की आवश्यकता होती है। कभी एक आत्मीय फोन कॉल, कभी एक पत्र, कभी बिना किसी विशेष कारण के किया गया धन्यवाद और कभी कठिन समय में दिया गया साथ—यही वे छोटे-छोटे प्रयास हैं, जो भाई-बहन के रिश्ते को जीवनभर मजबूत बनाए रखते हैं।

समय बदलेगा, त्योहारों के स्वरूप बदलेंगे और जीवनशैली भी नई दिशा लेगी, लेकिन यदि हमारे मन में प्रेम, विश्वास और अपनापन बना रहा, तो रिश्तों की डोर कभी कमजोर नहीं होगी। भाई दूज हमें यही याद दिलाने आती है कि जीवन चाहे जितना व्यस्त क्यों न हो जाए, अपने प्रियजनों के लिए कुछ समय निकालना, उनके साथ खुशियाँ बाँटना और उनकी आँखों में अपनेपन की चमक देखना ही सच्चे त्योहार का आनंद है। इसलिए इस भाई दूज पर तिलक के साथ एक संकल्प भी लें कि रिश्तों की डोर कभी ढीली नहीं पड़ने देंगे। भाई दूज की रोशनी केवल घरों में नहीं, बल्कि दिलों में भी जलनी चाहिए। प्रेम और अपनापन केवल तस्वीरों और शुभकामना संदेशों में नहीं, बल्कि हमारे व्यवहार में दिखाई देना चाहिए। तभी इस पर्व का वास्तविक सार सुरक्षित रहेगा और हम पूरे विश्वास के साथ कह सकेंगे कि बदलते समय में भी भाई दूज का प्रेम और अपनापन जीवित है।

जनजातीय गौरव ज्ञान प्रतियोगिता में मेधावी छात्र-छात्राओं ने लहराया परचम

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 10 नवंबर। जनजातीय गौरव सप्ताह के उपलक्ष्य में आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के निर्देशानुसार बस्तर जिले में जनजातीय गौरव ज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन किया गया। प्रयास आवासीय विद्यालय, जगदलपुर में आज शनिवार को आयोजित इस ज्ञान महाकुंभ में स्कूली और महाविद्यालयीन स्तर के होनहार विद्यार्थियों ने अपनी बौद्धिक क्षमता और उत्कृष्ट प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।दो अलग-अलग श्रेणियों में आयोजित इस प्रतियोगिता के स्कूली वर्ग (कक्षा 9 वीं से 12 वीं) में प्रयास आवासीय विद्यालय जगदलपुर की छात्राओं का दबदबा रहा। विद्यालय की होनहार छात्रा कु. उत्पला ने 94 अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान हासिल किया, जबकि इसी



संस्था की कु. निहारिका 68 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। वहीं दरभा विकासखंड स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय छिन्दवाड़ा के छात्र संदीप नाग ने 66 अंक अर्जित कर तीसरा स्थान सुनिश्चित



किया।वहीं दूसरी ओर महाविद्यालयीन तथा पोस्ट मैट्रिक छात्रावासों में निवासरत छात्र-छात्राओं के सीनियर वर्ग में धरमपुरा स्थित पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। इस वर्ग में एम.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा रिंकी नेताम ने 297 अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान पाया, जबकि बीए छठे सेमेस्टर की तुलसी देवी नेताम ने 284 अंक और पीजीडीसीए प्रथम सेमेस्टर की फुलेश्वरी बघेल ने 224 अंक हासिल कर मेरिट सूची में अपनी जगह बनाई।इस आयोजन ने न केवल अंचल के विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का एक सशक्त मंच प्रदान किया, बल्कि जनजातीय संस्कृति, इतिहास और सामान्य ज्ञान के प्रति उनकी जागरूकता को भी नई दिशा दी। इस दौरान सहायक आयुक्त आदिवासी विकास जीआर सोरी द्वारा प्रतियोगिता के समापन पर सभी मेधावी प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं।

तुंहर टोकन एप में धान खरीदी के नए नियम लागू

जगदलपुर, 10 नवम्बर । धान खरीदी की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से तुंहर टोकन मोबाइल ऐप में कई बड़े नीतिगत बदलाव किए गए हैं। नई व्यवस्था के तहत किसानों को उनकी भूमि के रकबे के आधार पर टोकन जारी किए जा रहे हैं। इसमें सीमांत किसानों यानी दो एकड़ से कम भूमि वाले कृषकों को केवल एक ही टोकन की सुविधा मिलेगी और उन्हें अपनी पूरी उपज एक ही बार में लानी होगी। वहीं दो से दस एकड़ तक के लघु किसानों को दो टोकन मिलेंगे, जिसमें वे 50-50 प्रतिशत के अनुपात में धान बेच सकेंगे।

एक नजर

बस्तर ओलम्पिक के आयोजन में जवाबदेही के साथ सभी व्यवस्था सुनिश्चित करें : कमिश्नर

जगदलपुर, 10 नवंबर। कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बस्तर ओलम्पिक आयोजन की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने संभाग के जिला खेल अधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों को आयोजन की प्रत्येक व्यवस्था को बेहतर, सुव्यवस्थित और गुणवत्तापूर्ण बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बस्तर ओलम्पिक केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि क्षेत्र के युवाओं की खेल प्रतिभा को सामने लाने, उनमें आत्मविश्वास बढ़ाने और खेल के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करने का महत्वपूर्ण अवसर है। इसलिए आयोजन की प्रत्येक जिम्मेदारी पूरी जवाबदेही के साथ निभाई जाए।कमिश्नर श्री सिंह ने विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिताओं के दौरान बारिश की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए मैदान, खिलाड़ियों के ठहरने, पेयजल, भोजन, आवागमन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए भी अभी से माकूल इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि खिलाड़ियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और प्रतियोगिताओं का संचालन सुचारू रूप से किया जा सके।उन्होंने आयोजन में अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न खेल संघों का सहयोग लेने की बात कही। साथ ही स्टेट एवं नेशनल स्तर पर उपलब्धियां हासिल करने वाले खिलाड़ियों को आयोजन से जोड़कर उनके माध्यम से प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अनुभवी और सफल खिलाड़ियों की सहभागिता से स्थानीय प्रतिभाओं को प्रेरणा मिलेगी तथा उनमें आगे बढ़कर राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का उत्साह पैदा होगा।कमिश्नर ने बस्तर ओलम्पिक के आयोजन में स्थानीय जनभागीदारी को भी महत्वपूर्ण बताते हुए संबंधित क्षेत्र के पंचायत प्रतिनिधियों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से आमंत्रित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन होगा और आयोजन को व्यापक जनसहयोग एवं सहभागिता मिलेगी। खिलाड़ियों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए श्री सिंह ने प्रत्येक आयोजन स्थल पर आवश्यक दवाइयों, एंबुलेंस और चिकित्सा दल की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रतियोगिता के दौरान किसी खिलाड़ी को चोट लगने अथवा स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जाए। आवश्यकता पड़ने पर बेहतर उपचार के लिए खिलाड़ी को बिना विलंब उच्च चिकित्सा संस्थान में रिफर करने की व्यवस्था भी सुनिश्चित होनी चाहिए।

डाक का वितरण सेम डे हो : अधीक्षक डाकघर



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कोंडागांव, 10 अक्टूबर। सामुदायिक भवन चिखलपुटी में 6 नवंबर, शुक्रवार को डाक विभाग के कर्मचारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधीक्षक डाकघर श्री मोहम्मद नियाजुद्दीन ने उपडाकघर कोंडागांव एवं मर्दापाल के अंतर्गत आने वाले विभिन्न शाखा डाकघरों के कर्मचारियों से विस्तृत चर्चा की तथा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक के दौरान ग्रामीण डाक सेवकों द्वारा मेल, पीओएसबी एवं आरपीएलआई से संबंधित कार्यों की बारीकी से समीक्षा की गई।

अधीक्षक डाकघर ने डाक वितरण व्यवस्था को लेकर स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि प्राप्त डाक का उसी दिन वितरण (सेम डे डिलीवरी) सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिक से अधिक स्पीड पोस्ट की बुकिंग करने तथा आम नागरिकों को डाक विभाग की सभी सेवाओं का लाभ सरल, सुलभ एवं सुविधाजनक तरीके से उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कर्मचारियों को विभागीय लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति के साथ बेहतर ग्राहक सेवा, बीमा व्यवसाय में वृद्धि तथा डाक विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने के लिए प्रेरित किया। बैठक में उपसंभागीय निरीक्षक कोंडागांव श्री सुभाष भुआर्य एवं श्री शशि प्रकाश दुबे, डाक सहायक एवं मास्टर ट्रेनर श्री दयाराम ध्रुव, डाक अधिदर्शक श्री हरेंद्र यादव, वरिष्ठ डाक कर्मचारी श्री सूर्य प्रसाद दीवान एवं श्री पीयूष सिन्हा सहित उपडाकघर कोंडागांव एवं मर्दापाल के अंतर्गत आने वाले विभिन्न शाखा डाकघरों के कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले ग्रामीण डाक सेवकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बीमा व्यवसाय में सर्वाधिक प्रीमियम अर्जित करने, सर्वाधिक स्पीड पोस्ट बुकिंग करने तथा सेम डे डिलीवरी सुनिश्चित करने वाले शाखा डाकपालों को उपहार भेंटकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले कर्मचारियों में डिकेश मिर्झा, अनिल दीवान, सतीश, मनीष साहू, निर्मल, गोलू यादव, भारत साहू, पीतम बाकड़े, दीपक एवं राधा कश्यप शामिल रहे। अधीक्षक श्री नियाजुद्दीन ने सम्मानित कर्मचारियों के कार्यों की सराहना करते हुए अन्य कर्मचारियों को भी इसी प्रकार लगन, निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

कांग्रेस वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान चलायेगी: अवधेश गौतम



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सुकमा, 10 नवंबर। कांग्रेस के जिला प्रभारी अवधेश गौतम ने शनिवार को सुकमा प्रेस क्लब में पत्रकारवार्ता कर उन्होने कहा कि चुनावी प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों और मतदाता सूची में नाम जोड़ने-काटने के आरोपों को लेकर वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान चलाने का फैसला किया है।

उन्होंने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए केंद्र सरकार पर चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी कर सरकारें बनाने का आरोप लगाया। अभियान के तहत 11 से 15 नवंबर तक जिले के सभी मंडलों में नुक्कड़ सभाएं की जाएंगी। इनमें पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, सेक्टर और बूथ कमेटियों के कार्यकर्ता शामिल होंगे। इसके बाद 16 से 25 नवंबर तक बूथ स्तर पर जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा।

अवधेश गौतम ने कहा कि लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के लिए कांग्रेस यह अभियान चला रही है। इसमें इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल भी शामिल होंगे। उन्होंने महाराष्ट्र और बिहार के चुनावों में कथित अनियमितताओं का जिक्र करते हुए कहा कि राहुल गांधी आंकड़ों और तथ्यों के साथ इन मुद्दों को उठा रहे हैं। उन्होने कहा कि कांग्रेस पिछले तीन साल से चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली, मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर सवाल उठा रही है। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच करीब 39 लाख नए मतदाताओं के नाम सूची में जोड़े गए थे। कांग्रेस ने इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और एसआईआर प्रक्रिया स्थगित करने की मांग की है। पार्टी का कहना है कि मतदाता सूची से कथित रूप से हटाए गए पात्र मतदाताओं के नामों की समीक्षा कर उन्हें दोबारा जोड़ा जाए। कांग्रेस ने चुनावी अनियमितताओं की स्वतंत्र और समयबद्ध जांच कराने के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के इस्तीफे की भी मांग उठाई है। गौतम ने आरोप लगाया कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े 2023 के कानून में बदलाव से चुनाव आयोग की स्वतंत्रता पर सवाल खड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इन मुद्दों को जनता के बीच ले जाकर लोकतांत्रिक संस्थाओं की जवाबदेही की मांग करेगी।

बस्तर में अतिवृष्टि आपदा प्रभावितों को त्वरित राहत

जगदलपुर, 10 नवम्बर। जिला प्रशासन बस्तर द्वारा जिले में अतिवृष्टि प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान का संशोधित आकलन जारी करते हुए प्रभावितों को राहत पहुंचाने के काम में तेजी लाई गई है। 6 नवंबर तक की स्थिति के अनुसार, प्रशासन ने मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए जनहानि, पशुहानि, फसल क्षति और आवास क्षति जैसे प्रमुख मदों में मुआवजा राशि पीड़ितों को प्रदान कर दी है। जिले में आपदा के कारण 2 मृतकों के प्रकरण में उनके आश्रितों को 8 लाख रुपए की पूरी अनुग्रह राशि वितरित कर दी गई है। इसके साथ ही, 58 पशुओं की क्षति पर 14,30,500 रुपए की सहायता राशि का भी भुगतान कर दिया गया है। आवास क्षति के तहत कुल 5,194 मकान प्रभावित हुए थे, जिनमें 1,915 पूर्णतः और 3,279 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मकान शामिल हैं। इसके लिए आकलित 26,29,28,000 रुपए की कुल राशि में से प्रशासन ने 26,25,28,000 रुपए का वितरण कर दिया है।

समाचार संक्षेप

कांग्रेस ने सीएसईबी कर्मचारियों को दीपावली गिफ्ट में शराब की बोतलें देने का लगाया आरोप



कांकेर, 10 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले में बिजली विभाग के कर्मचारियों को आज शनिवार को दिपावली गिफ्ट के साथ शराब की बोतलें देने का आरोप कांग्रेस के कांकेर ग्रामीण के अध्यक्ष ब्लोमेंद्र यादव ने लगाया है। उन्होने इसका वीडियो बनाया और थाने में शिकायत की, जिसके अनुसार धनतेरस के दिन अधिकारियों और कर्मचारियों को मिठाई के डिब्बों की जगह शराब की बोतलें बांटी गईं।

मामले की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शराब की बोतलों को जांच के लिए जब्त कर लिया है। पुलिस सीएसईबी कांकेर के कार्यपालन अभियंता को पूछताछ के लिए कोतवाली थाना भी लेकर गई थी। घटना के बाद विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी बड़ी संख्या में थाने पहुंचे। हालांकि कार्यपालन अभियंता ने इस मामले में अपनी जानकारी नहीं होने की बात कही। उन्होंने आरोपों से भी इनकार किया है।ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कांकेर ग्रामीण के अध्यक्ष ब्लोमेंद्र यादव ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली थी कि बिजली विभाग में दीपावली के उपहार के नाम पर शराब बांटी जा रही है। इसकी जानकारी मिलने पर वे विद्युत विभाग के कार्यालय पहुंचे और वहां का वीडियो बनाया। ब्लोमेंद्र यादव का आरोप है कि बिजली विभाग के कार्यालय में एक ही तरह के पैकेट में शराब की बोतलें रखी जा रही थीं। महिला कर्मचारियों की मौजूदगी में कार्यालयीन समय के दौरान कई कर्मचारियों की टेबल के ऊपर और नीचे शराब की बोतलें रखी हुई थीं। उन्होंने इस संबंध में कार्यपालन अभियंता से भी सवाल किया, लेकिन उन्हें कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला।

बस्तर के महुआ, इमली, कोसा, ढोकरा धातु कला व काष्ठ शिल्प को वैश्विक स्तर तक पंहुचाने होगा एमओयू

जगदलपुर, 0 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। बस्तर के जंगलों में महुआ, इमली, कोसा बीनने वाले और 04 हजार साल पुरानी ढोकरा धातु कला व काष्ठ शिल्प को संजोने वाले जनजातीय युवाओं के लिए एवं उनके उत्पादों को वैश्विक स्तर तक पंहुचाने के लिए जनजातीय कार्य मंत्रालय और देश के प्रीमियर बिजनेस स्कूल आईआईएम कोलकाता के बीच एक ऐतिहासिक एमओयू होने जा रहा है। इस पहल के तहत बस्तर के उन आदिवासी युवाओं को चुना जाएगा, जो स्थानीय वनोपज, पारंपरिक कला-संस्कृति और स्थानीय समस्याओं के समाधान पर आधारित स्टार्टअप या व्यवसाय खड़ा करना चाहते हैं। उक्त जानकारी बस्तर कलेक्टर आकाश छिकारा के माध्यम से दिया गया है। चयनित युवाओं को आईआईएम कोलकाता अपने कैंपस ले जाकर विश्वस्तरीय इनक्यूबेशन और बिजनेस मैनेजमेंट की ट्रेनिंग देगा, जिसके बाद उनके प्रोजेक्ट्स के लिए 01 लाख से लेकर 05 करोड़ तक की पूंजी (फंडिंग) उपलब्ध कराई जाएगी। इस कदम से अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी से बढ़ती बस्तर के महुआ, इमली, कोसा और ढोकरा शिल्प की भारी मांग को सीधे भुनाया जा सकेगा।बस्तर कलेक्टर आकाश छिकारा ने कहा कि बस्तर के आदिवासी युवाओं में नैसर्गिक प्रतिभा और हुनर की कोई कमी नहीं है। वे पीढ़ियों से जंगलों के उत्पाद और विश्वप्रसिद्ध कलाकृतियों को तैयार करते आ रहे हैं, लेकिन अब तक उन्हें सही बिजनेस मार्गदर्शन और बड़ा कैपिटल नहीं मिल पाता था। अब तक बस्तर से निकलने वाले कच्चे महुआ, इमली और शिल्पकला का बड़ा लाभ बाहरी व्यापारी और बिचौलिए उठाते रहे हैं। आईआईएम की मेंटरशिप में 05 करोड़ तक की पूंजी और एपीडा व ट्राइफेड के ग्लोबल लिंकेज से जुड़कर अब स्थानीय आदिवासी युवा स्वयं की प्रोसेसिंग यूनिट, पैकेजिंग प्लांट और एक्सपोर्ट फर्म स्थापित कर सकेंगे।

गढ़िया पहाड़ के नीचे कचरे के ढेर में 280 किलो गांजा मिला

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कांकेर, 10 नवंबर। जिले की पुलिस ने कांकेर कोतवाली थाना क्षेत्र के सिंगारभाट में गढ़िया पहाड़ के नीचे कचरे के ढेर से आज गुरूवार को लावारिस हालत में 280 किलो गांजा की एक बड़ी खेप बरामद की है, लेकिन गांजा तस्करी के आरोपी फरार होने में कामयाब रहे। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ओडिशा से गांजा लेकर आ रहे संदिग्ध तस्कर पुलिस की घेराबंदी की भनक लगते ही गांजा छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने सिंगारभाट स्थित गढ़िया पहाड़ के पास लावारिस हालत में पड़े 280 किलो गांजा के 70 पैकेट जब्त किए हैं। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपये बताई जा रही है।पुलिस को बीती देर रात सूचना मिली कि ओडिशा से बड़ी मात्रा में गांजा छत्तीसगढ़ लाया जा रहा है। तस्करों के विश्रामपुरी और



केशकाल के रास्ते कांकेर की ओर बढ़ने की जानकारी मिलने पर पुलिस सक्रिय हो गई। केशकाल पुलिस ने संदिग्ध वाहनों की तलाश शुरू की और कांकेर पुलिस को भी इसकी सूचना दी। इसी दौरान एक फॉर्यूनर कार और उसके साथ चल रही पायलट गाड़ी टाटा वैक्सीन को पुलिस ने रोकने की कोशिश की, तस्करों ने केशकाल थाना प्रभारी रितेश मिश्रा को कार से कुचलने का प्रयास भी किया। इसके बाद केशकाल से कांकेर तक लगभग ×0 किलोमीटर तक पुलिस और गांजा तस्करों के बीच फिल्मी अंदाज में पीछा चला, वहीं तस्कर मौके से फरार होने में सफल रहे। इसके बाद पुलिस द्वारा संभावित रास्तों पर घेराबंदी की गई। बताया जा रहा है कि पुलिस की गतिविधियों की भनक लगने के बाद तस्करों ने वाहन में रखी गांजे की खेप को सुनसान इलाके में छोड़ दिया और मौके से फरार हो गये।

कांकेर कोतवाली थाना क्षेत्र के सिंगारभाट में गढ़िया पहाड़ के पास पुलिस को आज गुरूवार सुबह लावारिस हालत में गांजे के पैकेट मिले। तलाशी और वजन के बाद इनका कुल वजन 280 किलोग्राम सामने आया। पुलिस ने गांजे को जब्त कर उसके स्रोत और संभावित खरीदारों के संबंध में जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। तस्करी में इस्तेमाल किए गए वाहनों और आरोपियों की पहचान करने के लिए भी जांच की जा रही है।कांकेर एसडीओपी हरीश पाटिल ने बताया कि पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों की जांच के दौरान आज गुरूवार को 280 किलोग्राम गांजे की बड़ी खेप बरामद की है। तस्करी में इस्तेमाल की गई दो गाड़ियों की पहचान होने के साथ एक चालक के संबंध में भी सुराग मिला है, पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। उन्होने कहा कि वाहनों से जुड़े सुरागों के आधार पर गांजा तस्करी में शामिल लोगों तक पहुंचा जा सकेगा।बताया जा रहा है कि रायपुर-विशाखापट्टनम एक्सप्रेस-वे का निर्माण कार्य जारी होने के कारण ओडिशा से आने वाले तस्कर केशकाल-कांकेर के पुराने रास्तों को नए कॉरिडोर के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। गौरतलब है कि इस मामले से अलग एक अन्य मामले में केशकाल पुलिस ने 04 नवंबर को भी गांजा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिंद्रा एक्सयूए-500 कार से 407 किलो 910 ग्राम गांजा बरामद किया था। इसकी अनुमानित कीमत दो करोड़ रुपये से अधिक बताई गई।

विश्व भर में हिंदी साहित्य का सृजन हो रहा:दिव्या माथुर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

हैदराबाद, 10 अक्टूबर। विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा एनएमडीसी लिमिटेड के सहयोग से 'प्रवासी हिंदी साहित्य ः सामाजिक-सांस्कृतिक परिदृश्य' विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हाइब्रिड मोड में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। संगोष्ठी में देश-विदेश के विद्वानों, साहित्यकारों और शोधार्थियों ने सहभागिता करते हुए प्रवासी हिंदी साहित्य की विविध प्रवृत्तियों, चुनौतियों तथा संभावनाओं पर गंभीर विमर्श किया।

संगोष्ठी का बीज व्याख्यान लंदन स्थित सुप्रसिद्ध प्रवासी लेखिका दिव्या माथुर ने प्रस्तुत किया। उन्होंने विदेशों में बसे भारतीय समुदाय के सामाजिक-सांस्कृतिक संघर्षों तथा उनकी साहित्यिक अभिव्यक्तियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विश्वभर में हिंदी में महत्वपूर्ण साहित्य सृजित हो रहा है, जिस पर गंभीर शोध एवं



अनुसंधान की आवश्यकता है।मुख्य अतिथि प्रो. रहमान मुसव्विर (जामिया मिल्लिया इस्लामिया) ने प्रवासी हिंदी साहित्य की विभिन्न धाराओं का विश्लेषण करते हुए कहा कि गिरमिटिया देशों, यूरोपीय देशों तथा खाड़ी देशों के प्रवासी साहित्य की प्रवृत्तियाँ एक-दूसरे से भिन्न हैं और इनकी अपनी विशिष्ट सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि है। विशिष्ट वक्ता प्रो. आर.एस. सर्राजु (भारतीय भाषा समिति, नई दिल्ली) ने यूरोप और रूस के प्रवासी हिंदी लेखन की वर्तमान स्थिति एवं चुनौतियों पर विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. श्याम राव ने की। उन्होंने प्रवासी हिंदी साहित्य को विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में समुचित स्थान दिए जाने की आवश्यकता पर बल दिया।एनएमडीसी लिमिटेड के उप महाप्रबंधक (राजभाषा) श्री चे.श्रीनिवास राव ने स्वागत भाषण देते हुए इस आयोजन को समयानुकूल और महत्वपूर्ण पहल बताया। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. जे. आत्माराम ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।संगोष्ठी के अंतर्गत दो तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। प्रथम सत्र की अध्यक्षता मानविकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो. वी. कृष्ण ने की। इस सत्र में डॉ. रेखा राजवंशी (ऑस्ट्रेलिया), डॉ. गिरिजा सिंह बिसेसर अरविंद (मॉरीशस), डॉ. विवेकमणि त्रिपाठी (चीन) तथा डॉ. प्रियंका कुमारी (लखनऊ) ने अपने शोधपरक विचार प्रस्तुत किए।द्वितीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता हिंदी विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. गजेन्द्र पाठक ने की। इसमें प्रो. पद्मप्रिया, प्रोफेसर, (पांडिचेरी विश्वविद्यालय), डॉ. धन्य कुमार बिराजदार (महाराष्ट्र), डॉ. प्रोमिला तथा डॉ. संजय कुमार (ईएफएल विश्वविद्यालय), डॉ. अमरनाथ प्रजापति (कर्नाटक), शोधार्थी प्रियंका शुक्ला एवं विद्यार्थी प्रतिनिधियों ने अपने वक्तव्य प्रस्तुत किए। सत्र का संचालन श्री प्रद्युम्न तोमर ने किया।इसके उपरांत आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में दिव्याश्री, अंजलि प्रियदर्शिनी एवं आरजू कुमारी ने मॉरीशस के गिरमिटिया मजदूरों से संबंधित भोजपुरी लोकगीत प्रस्तुत कर उपस्थितजनों को भावविभोर कर दिया।समापन सत्र में प्रवासी साहित्य के प्रतिष्ठित विद्वान प्रो. अजय कुमार साहू ने प्रवासी साहित्य के विविध आयामों पर व्याख्यान देते हुए उसके वैश्विक महत्व को रेखांकित किया। संगोष्ठी के सह-संयोजक डॉ. कपिल कुमार रंजन ने संगोष्ठी की विस्तृत प्रतिवेदन-रिपोर्ट प्रस्तुत की। अंत में संगोष्ठी संयोजक डॉ. जे. आत्माराम ने सभी वक्ताओं, प्रतिभागियों एवं सहयोगी संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त किया।संगोष्ठी में देश-विदेश से बड़ी संख्या में शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने सहभागिता की तथा प्रवासी हिंदी साहित्य के विविध पक्षों पर सार्थक विमर्श हुआ।इस अवसर पर हिंदी विभाग के वर्ष 1988-90 बैच के पूर्व विद्यार्थियों का विशेष पुनर्मिलन (द्यह्वद्बठ्ठद्ब स्द्बह्लह्ल) भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सीएच श्रीनिवास राव,, डॉ. पद्मप्रिया, तुनुजा, लीला लक्ष्मी एवं शांतिप्रिया ने अपने छात्र जीवन की स्मृतियों को साझा करते हुए हैदराबाद विश्वविद्यालय में बिताए गए अविस्मरणीय क्षणों को याद किया। वक्ताओं ने विभागीय गतिविधियों, शिक्षकों के मार्गदर्शन तथा सहपाठियों के साथ बिताए गए समय को अपने जीवन की अमूल्य धरोहर बताते हुए विश्वविद्यालय से अपने भावनात्मक जुड़ाव को व्यक्त किया। इस आत्मीय संवाद ने न केवल पुरानी यादों को ताज़ा किया, बल्कि वर्तमान विद्यार्थियों को भी प्रेरणा प्रदान की।

एक नजर

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए संस्था एवं पाठ्यक्रम बदलने 30 नवंबर तक कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन

धमतरी, 10 नवंबर। शैक्षणिक सत्र 2026-27 में पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को संस्था और पाठ्यक्रम परिवर्तन का अवसर दिया गया है। इसके लिए विद्यार्थी 30 नवंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आदिवासी विकास विभाग, धमतरी से जारी सूचना के अनुसार छत्तीसगढ़ के मूल निवासी ऐसे विद्यार्थी, जो शासकीय अथवा अशासकीय आईटीआई, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, पॉलीटेक्निक तथा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत हैं और पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करना चाहते हैं, वे इस सुविधा का लाभ ले सकते हैं।यदि किसी विद्यार्थी को संस्था अथवा पाठ्यक्रम बदलने की आवश्यकता है, तो वह विद्यार्थी लॉगिन के माध्यम से संस्था एवं पाठ्यक्रम परिवर्तन के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकता है। इसके लिए आवेदन की सुविधा 1 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक उपलब्ध कराई गई है।

बेटे ने टंगिया मारकर पिता को उतारा

जांजगीर चाम्पा, 10 नवंबर। छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा में पिता ने अपने ही बेटे की टंगिया से मारकर हत्या कर दी। वारदात के बाद उसने थाने पहुंचकर सरेंडर कर दिया। पुलिस ने भी शव को अपने कब्जे में लिया और उसे पोस्टमार्टम में भेजकर आगे की कार्रवाई शुरु कर दी है। यह पूरा मामला मुलमुला थाना क्षेत्र का है। मृतक की पहचान रावेन्द्र मरावी के रूप में हुई है, जो कि डिघोरा गांव का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि वह शराब पीने का आदी था और अक्सर घर के लोगों से मारपीट करता था।सोमवार रात भी उसने शराब के नशे में विवाद किया, जिससे परेशान उसके पिता ने उसपर टंगिया से हमला कर दिया। इस हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया और खून से लथपथ हालत में घर के आंगन में गिर पड़ा। कुछ देर बाद ही उसकी मौत हो गई।

घटना के बाद थाने में किया सरेंडर-घटना के बाद आरोपी पिता ने मुलमुला थाने पहुंचकर सरेंडर कर दिया, जिसके बाद पुलिस की टीम घटना स्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही आरोपी पिता को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरु कर दी।

कबाड़ी दुकान में लगी भीषण आग, लपटें देखकर लोगों में मची अफरातफरी

जगदलपुर। बस्तर जिले के जगदलपुर शहर में देर रात उस वक्त हड़कंप मच गया, जब कबाड़ी दुकान में भीषण आग लग गई। लपटे देखकर अफरा-तफरी मच गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने किसी तरह से आग पर काबू पाया। वरना बड़ा हादसा हो सकता था।दरअसल, यह घटना गीदम रोड पर स्थित भुवन कबाड़ी दुकान में घटी है। बताया जा रहा है कि सोमवार रात कबाड़ में अचानक भीषण आग लग गई और देखते ही देखते आग ने कबाड़ को अपने चपेट में ले लिया।घटना में नहीं हुई कोई जनहानी-दुकान में कबाड़ से आग की लपटे उठता देख अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने आग पर किसी तरह से काबू पाया। राहत की बात यह रही कि घटना की वजह से किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

मवेशी व्यापारियों को जंगल में बंधक बनाकर मारपीट-लूटपाट, पुलिस ने 4 को दबोचा

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले से लूटपाट और फिरौती वसूली का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां मवेशी व्यापार करने निकले तीन व्यापारियों को आरोपियों ने जंगल में बंधक बनाकर उनके साथ मारपीट की और नगदी व मोबाइल फोन लूट लिए। इतना ही नहींए आरोपियों ने व्यापारियों से 5 लाख रुपये की फिरौती भी मांगी और डराकर उनके बैंक खाते में अलग.अलग किश्तों में 90 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। मामले में भोरमदेव पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।जानकारी के मुताबिक 2 नवंबर 2026 को ग्राम रौचन निवासी कुलेश्वर विश्वकर्मा अपने साथी गुनु धुर्वे और शिव प्रसाद के साथ खरीदे गए 9 मवेशियों को बेचने के लिए ग्राम सारसडोलए थाना मलाजखंडए जिला बालाघाट ;मध्यप्रदेशद्ध जा रहे थे। रात करीब 9 बजे चढ़चौड़ा जंगल के ढलान के पास मवेशियों के साथ विश्राम के दौरान ग्राम केसदा निवासी कामू बैगा अपने साथियों के साथ वहां पहुंचा।आरोपियों ने तीनों व्यापारियों के साथ गाली.गलौज और मारपीट की तथा उन्हें जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद कुलेश्वर विश्वकर्मा से 10 हजार रुपये और मोबाइल फोनए शिव प्रसाद से 40 हजार रुपये और मोबाइल फोन तथा गुनु धुर्वे से 20 हजार रुपये नकद लूट लिए।पांच लाख की फिरौती मांगीए खाते में जबरन ट्रांसफर कराए 90 हजार-लूटपाट के बाद आरोपियों ने तीनों व्यापारियों को अपने कब्जे में लेकर ग्राम केसदा की ओर ले गए।वहां उनसे 5 लाख रुपये की फिरौती मांगी गई। बातचीत के बाद आरोपियों ने अपने बताए बैंक खाते में अलग.अलग किश्तों में कुल 90 हजार रुपये जबरन ट्रांसफर करा लिए।

पूजा घर से सोने-चांदी के जेवर और 47 हजार नकद पार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर,10 नवंबर। राजधानी रायपुर के गुढ़ियारी इलाके में दीपावली की रात चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को रायपुर कमिश्नरेट पुलिस ने एक घंटे से भी कम समय में गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने नया मंगल बाजार स्थित एक घर में घुसकर पूजा घर में रखे सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी कर ली थी। पुलिस ने दोनों के कब्जे से करीब 2.97 लाख रुपये का पूरा सामान बरामद कर लिया है। इसमें लगभग 2.50 लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवर और 47 हजार रुपये नकद शामिल हैं। मामला थाना गुढ़ियारी क्षेत्र के नया मंगल बाजार का है। पुलिस के मुताबिक, दीपावली पर घर में लक्ष्मी पूजन की तैयारी की गई थी। इस दौरान घर की महिला ने सोने-चांदी के आभूषण और नकदी पूजा घर में रखे थे। माता लक्ष्मी की कृपा बनी रहने की आस्था के चलते पूजा घर का दरवाजा खुला रखा गया था। इसी का फायदा उठाकर चोर घर के अंदर दाखिल हुए और वहां रखे कीमती सामान लेकर फरार हो गए। चोरी की वारदात के दौरान घर के पुरुष सदस्य की नींद खुल गई थी। वे बाथरूम जाने के लिए उठे तो उन्होंने एक संदिग्ध व्यक्ति को घर से चोरी कर बाहर जाते हुए देखा। इसके बाद परिवार को चोरी का पता चला और महिला ने गुढ़ियारी थाने पहुंचकर इसकी शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर बीएनएस की धारा 331(4) और 305(ए) धारा के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। घटना की गंभीरता को देखते हुए नॉर्थ जोन की डीसीपी दीपमाला कश्यप के नेतृत्व में पुलिस टीम सक्रिय हुई। एडीसीपी आदित्य पांडे और एसीपी उरला पूर्णिमा लामा के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र साहू की टीम ने,ष्ट के साथ मिलकर आरोपियों की तलाश शुरू की।



घर से चोरी कर भागते समय संदिग्ध को देखने वाले व्यक्ति ने पुलिस को उसका हुलिया बताया था। इसी जानकारी के आधार पर पुलिस ने आसपास के संदिग्ध लोगों की पहचान कर पूछताछ शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को आरोपियों तक पहुंचने में सफलता मिली। इसके बाद टीम ने दोनों संदिग्धों को हिरासत में ले लिया। पुलिस के मुताबिक, शिकायत मिलने के एक घंटे से भी कम समय में दोनों आरोपियों को पकड़कर चोरी का पूरा सामान बरामद कर लिया गया। पुलिस की पूछताछ और कार्रवाई के दौरान आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के सभी आभूषण बरामद किए गए। इनकी अनुमानित कीमत करीब 2.50 लाख रुपये बताई गई है। इसके अलावा 47 हजार रुपये नकद भी मिले हैं। इस तरह पुलिस ने कुल 2 लाख 97 हजार रुपये का मशरूका बरामद किया है। पुलिस का दावा है कि चोरी गए सामान की शत-प्रतिशत बरामदगी की गई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नयन राजपूत (24), पिता रामू ठाकुर, निवासी बच्चन चौक, कुंदरापारा, थाना गुढ़ियारी और आर्यन चौहान (19), पिता हीरानंद चौहान, निवासी कलिंग नगर, वतन चिकन सेंटर के पास, थाना गुढ़ियारी के रूप में हुई है।

निर्माण श्रमिकों के बच्चों और परिवारजनों को मिलेगा कौशल प्रशिक्षण

धमतरी, 10 नवंबर। निर्माण श्रमिकों एवं उनके पात्र आश्रितों को रोजगार से जोड़ने और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग द्वारा मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर कौशल विकास एवं परिवार सशक्तिकरण योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के तहत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों एवं उनके पात्र आश्रितों को उद्योगों की जरूरत के अनुरूप रोजगारपरक कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा।योजना के अंतर्गत सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (CIPET), रायपुर के माध्यम से जिले के 7 पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए असिस्टेंट मशीन ऑपरेटर (प्लास्टिक्स प्रोसेसिंग, एक्सट्रूजन एवं इंजेक्शन मोल्डिंग) ट्रेड में 480 घंटे यानी 80 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जाएगा।प्रशिक्षण के लिए निर्धारित पात्रता के अनुसार आवेदनकर्ता की आयु प्रशिक्षण प्रारंभ होने की तिथि पर 18 से 30 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

धमतरी पुलिस ने अर्जुनी क्षेत्र में 4 अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर11 जुआरियों को किया गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

धमतरी,10 अक्टूबर। पुलिस अधीक्षक धमतरी श्रीमती भावना पांडेय के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में जिले में जुआ-सट्टा सहित अवैध एवं असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में थाना अर्जुनी पुलिस द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए थाना क्षेत्र के ग्राम लिमतरा, परेवाडीह एवं कुरमातराई में अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी गई।पुलिस टीम ने कार्यवाही के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर 52 पत्ती ताश से काट-पत्ती नामक जुआ खेलते हुए कुल 11 आरोपियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया।



आरोपियों के कब्जे एवं जुआ फड़ों से कुल 5,520/-रूपये नगद एवं 52 पत्ती ताश जब्त की गई। सभी आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3(2) के तहत कुल 04 अलग-अलग प्रकरण पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई है।

धमतरी पुलिस की अपील एवं संदेश-धमतरी पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जिले में जुआ-सट्टा एवं अन्य अवैध गतिविधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। सार्वजनिक स्थानों पर अवैध रूप से जुआ खेलने एवं खिलाने वालों पर पुलिस की पैनी नजर है। ऐसे कृत्यों में संलिप्त पाए जाने वालों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। आमजन से अपील है कि अपने आसपास होने वाली किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

बाइक सवार दो युवकों की मौत से नाराज ग्रामीणों ने जला दिया ट्रक

मनेंद्रगढ़, 10 नवंबर। छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़ में आज सुबह एक भीषण सड़क हादसा हुआ है, जहां ट्रक और बाइक के बीच टक्कर हो गई। इस हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गुस्साएं ग्रामीणों ने ट्रक को आग के हवाले कर लिया।

यह घटना मंगलवार सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ। बताया जा रहा है कि दोनों मृतक मनेंद्रगढ़ के वार्ड क्रमांक 16 के रहने वाले थे। दोनों एक ही बाइक में सवार थे, तभी कठौतिया के पास उन्हें ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया, जिसके बाद गुस्साए ग्रामीणों ने ट्रक को आग के हवाले कर दिया। इधर घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए ट्रक में आग लगाने के मामले में एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। इसके साथ ही पुलिस ने फरार ट्रक चालक की तलाश शुरु कर दी है। वहीं घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि ट्रक धू-धूकर जल रही है और उसके आसपास से गाड़ियां भी गुजर रही है। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा

धान खरीदी की तैयारियों में न बरतें लापरवाही, उपार्जन केंद्रों में सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें

महासमुंद, 10 नवंबर। कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने आज सुबह 10:30 बजे जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक लेकर विभिन्न विभागों के कार्यों एवं शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करने तथा जनहित से जुड़े कार्यों में तत्परता और गंभीरता बरतने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री अनुपमा आनंद, अपर कलेक्टर श्री जगन्नाथ वर्मा, सभी एसडीएम एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। वहीं विकासखंड स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

बैठक में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि शिकायतों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा में प्राथमिकता से किया जाए। विशेष रूप से स्पेशल क्लोजर से संबंधित प्रकरणों में निर्धारित प्रक्रिया एवं समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने अधिकारियों को लंबित शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग कर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।



कलेक्टर ने बताया कि जिले के प्रभारी मंत्री श्री दयालदास बघेल 12 नवंबर को महासमुंद जिले के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे विभिन्न विभागों की बैठक लेकर विभागीय योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को अपने-अपने विभाग की अद्यतन जानकारी, प्रगति प्रतिवेदन एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ पूरी तैयारी रखने के निर्देश दिए।

आगामी धान खरीदी की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने बारदाने की एंट्री में तेजी लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जिला स्तरीय नोडल अधिकारी धान खरीदी की अवधि में प्रत्येक सप्ताह कम से कम एक बार अपने आबंटित खरीदी केंद्रों का निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण करेंगे तथा धान खरीदी केंद्रों में आवश्यक व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करने तथा किसी भी प्रकार की समस्या सामने आने पर उसका समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मौसम की स्थिति को देखते हुए उपार्जन केंद्रों में पर्याप्त तारपोलिन, ड्रेनेज एवं पानी निकासी की समुचित व्यवस्था अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए, ताकि धान को बारिश एवं नमी से सुरक्षित रखा जा सके। उन्होंने धान खरीदी से संबंधित सभी तैयारियां समय रहते पूर्ण करने पर जोर दिया। इसके अलावा समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को अपने-अपने अनुविभाग में आवश्यकतानुसार चेक पोस्ट स्थापित करने कहा गया है, जहां से अवैध धान की आवाजाही होती है। कलेक्टर ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों को स्वयं फील्ड में जाकर अवलोकन करने के निर्देश दिए हैं।कलेक्टर ने 13 नवंबर को आयोजित होने वाले जिला युवा कार्यक्रम तथा 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ आयोजन की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने पहल कार्यक्रम के तहत विभागों को नवाचार आधारित कार्यों एवं योजनाओं के प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि यदि कोई विभाग जनहित में उपयोगी एवं प्रभावी नवाचार से संबंधित प्रस्ताव देना चाहता है, तो वह अपना प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकता है।बैठक में वीबी-जी रामजी, प्रधानमंत्री आवास योजना, अपार आईडी कार्ड, राजस्व विभाग सहित अन्य विभागों की योजनाओं एवं समय-सीमा में पूर्ण किए जाने वाले कार्यों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने तथा लंबित कार्यों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बेटे ने की मां की हत्या खाना नहीं मिलने पर लकड़ी से पीट-पीटकर मार डाला, बहन पर भी किया हमला

जशपुर, 10 नवंबर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले से हत्या का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक बेटे ने शराब के नशे में अपनी ही मां की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इतना ही नहीं बीच बचाव करने आई बहन पर भी उसने हमला कर दिया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और पुलिस ने भी आरोपी बेटे रोशन मिंज उर्फ जिंदल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।यह पूरा मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। मृतका की पहचान वेनेदिक्ता कुजूर के रूप में हुई है, जो की गढ़ाटोली इलाके में रहती थी। आरोपी रोशन मिंज शासकीय नवीन महाविद्यालय मनोरा में बीकॉम प्रथम वर्ष का छात्र है और हॉस्टल में रहता है। 7 नवंबर की रात वह दोस्तों के साथ शराब पीने के बाद अपने घर पहुंचा था। घर पहुंचने पर उसने मां से खाना मांगा। खाना नहीं मिलने की बात पर विवाद शुरू हो गया।विवाद के दौरान आरोपी गुस्से में आ गया और घर के चूल्हे के पास रखे अधजले लकड़ी के डंडे को उठाकर अपनी मां वेनेदिक्ता कुजूर पर हमला कर दिया। आरोपी ने महिला के हाथ, पैर और पीठ पर कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।घटना के दौरान आरोपी की बहन घर में सोई हुई थी। मां पर हमला होते देख वह बीच-बचाव करने पहुंची, लेकिन आरोपी ने उस पर भी लकड़ी के डंडे से हमला कर दिया। इसके बाद आरोपी अपने छोटे भाई के पास पहुंचा और खाना नहीं बचाने की बात को लेकर उसे भी धमकाया।वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार होकर जुरगुम की ओर चला गया। घर में मौजूद बच्चों ने एंबुलेंस की मदद से घायल महिला को जिला अस्पताल जशपुर पहुंचाया। जहां उनका उपचार शुरू किया गया।

नदी पार करते समय गहरे पानी में डूबा ग्रामीण

कोरबा,10 नवंबर। जिले के कोरबी क्षेत्र में आजन नदी पार करते समय एक 50 वर्षीय ग्रामीण की डूबने से मौत हो गई। हादसा दही घाट के पास हुआ। नदी में डूबे पन्नालाल यादव की तलाश में जिला नगर सेना की रेस्क्यू टीम ने करीब 6 घंटे तक अभियान चलाया। काफी मशक्कत के बाद उनका शव बरामद किया गया।

मृतक की पहचान पन्नालाल यादव के रूप में हुई है। वह ग्राम पंचायत बुढ़ापारा के रहने वाले थे। उनका घर और मवेशियों को रखने की जगह नदी के अलग-अलग किनारों पर है। इसी वजह से उन्हें रोजाना नदी पार करके अपने मवेशियों तक जाना पड़ता था।

बताया जा रहा है कि पन्नालाल कभी डोंगा (छोटी नाव) से तो कभी तैरकर आजन नदी पार करते थे। नदी के दूसरे किनारे पहुंचकर वह मवेशियों को चराने और उनकी देखभाल का काम करते थे। रोज की तरह नदी पार करने के दौरान ही वह हादसे का शिकार हो गए और पानी में डूब गए।

घटना की जानकारी मिलने के बाद उनकी तलाश शुरू की गई। जिला नगर सेना की रेस्क्यू टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने करीब 6 घंटे तक नदी में खोजबीन की, जिसके बाद पन्नालाल का शव बरामद हो सका।कोरबी चौकी प्रभारी सुरेश कुमार योगी ने शव मिलने की पुष्टि की है। पुलिस फिलहाल परिजनों के बयान दर्ज कर रही है। पंचनामा की कार्रवाई पूरी होने के बाद आगे की कानूनी प्रक्रिया की जाएगी। हादसे के बाद बुढ़ापारा और आसपास के गांव में शोक का माहौल है।

विधायक यशोदा वर्मा की कार और बाइक में टक्कर दो घायल

खैरागढ़, 10 नवंबर। दुर्ग जिले में खैरागढ़ विधायक यशोदा वर्मा की कार और बाइक के बीच टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए दुर्ग अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस ने दुर्घटना की पुष्टि करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

घटना दुर्ग जिले के बोरी थाना क्षेत्र के मिलन चौक के पास की है। मिली जानकारी के मुताबिकए विधायक यशोदा वर्मा की कार खैरागढ़ की ओर जा रही थी। इसी दौरान लिटिया की तरफ से बोरी आ रही बाइक से कार की टक्कर हो गई। बाइक पर शिव वर्मा 50 वर्ष और हेमंत पटेल 45 वर्ष सवार थे। टक्कर में दोनों को गंभीर चोटें आईं।

घायलों को दुर्ग अस्पताल किया गया रेफर-हादसे के बाद दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने बेहतर उपचार के लिए दुर्ग अस्पताल रेफर कर दिया। फिलहाल दोनों का उपचार जारी है। दोनों कहां के रहने वाले हैं इसकी जानकारी पुलिस जुटा रही है।विधायक की कार मौके पर छोड़ीए दूसरी बाइक से रवाना हुई-हादसे के बाद विधायक यशोदा वर्मा अपनी कार को घटनास्थल पर छोड़कर दूसरी बाइक से वहां से रवाना हो गई। हालांकि इस दौरान घायलों की मदद के लिए उनकी ओर से क्या व्यवस्था की गई और कार छोड़कर जाने की वजह क्या थीए इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। विधायक की ओर से भी अब तक इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

पुलिस कर रही हादसे की जांच-एसडीओपी धमधा बीएम तिग्गा ने दुर्घटना की पुष्टि की है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि कार और बाइक के बीच टक्कर किन परिस्थितियों में हुई। जांच के बाद ही दुर्घटना की वजह और जिम्मेदारी को लेकर स्थिति साफ हो सकेगी।

एनटीपीसी सीपत के 52वां स्थापना दिवस पर 2,300 पौधों का रोपे,बालिकाओं और दिव्यांगों को साइकिल वितरित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बिलासपुर, 10 नवंबर। एनटीपीसी सीपत में 07 नवंबर 2026 को देश की सबसे बड़ी विद्युत उत्पादक कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड का स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में परियोजना प्रमुख श्री विजय शंकर दुबे को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। तत्पश्चात् उन्होंने एनटीपीसी ध्वज फहराकर समारोह का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए परियोजना प्रमुख ने एनटीपीसी की 51 वर्षों की गौरवशाली यात्रा और उपलब्धियों को स्मरण किया तथा सभी को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि देशभर में लगभग 119 एनटीपीसी स्टेशनों के माध्यम से कंपनी की कुल स्थापित क्षमता लगभग 91,668 मेगावाट तक पहुंच गई है। आज एनटीपीसी देश की कुल बिजली आवश्यकताओं का लगभग 25 प्रतिशत पूरा कर रही है और देश के हर चौथे बल्ब को रोशन कर रही है।

परियोजना प्रमुख ने अपने संबोधन में छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी 2,980 मेगावाट क्षमता वाली सीपत सुपर थर्मल पावर स्टेशन की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि निर्माणाधीन 800 मेगावाट की स्टेज-III परियोजना का कार्य तेजी से प्रगति कर रहा है। इसके साथ ही, एनटीपीसी सीपत विद्युत उत्पादन के साथ-साथ नैगम सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर), पर्यावरण संरक्षण और नवाचार के क्षेत्रों में भी सराहनीय कार्य कर रहा है।



कार्यक्रम के दौरान परियोजना प्रमुख, महाप्रबंधकगण, विभागाध्यक्षगण, वरिष्ठ अधिकारी तथा यूनियन एवं एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से केक काटकर स्थापना दिवस की खुशियां मनाईं। इसके पश्चात् एनटीपीसी के रंगों से सजे गुब्बारे आसमान में छोड़े गए। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख ने संयंत्र एवं नगर परिसर की सुरक्षा में तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, संगवारी महिला समिति, यूनियन एवं एसोसिएशन, बाल भारती पब्लिक स्कूल, संस्कृति क्लब, वैशाली क्लब, स्टेट बैंक, पोस्ट ऑफिस, इंडियन कॉफी हाउस तथा सभी सहयोगी एजेंसियों के योगदान की सराहना की और सभी को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। तत्पश्चात् एनटीपीसी के इंजीनियरिंग ऑफिस कॉम्प्लेक्स, नोएडा में आयोजित मुख्य स्थापना दिवस समारोह का सीधा प्रसारण देखा गया। इस अवसर पर एनटीपीसी लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री गुरदीप सिंह ने सभी कर्मचारियों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं तथा कंपनी की उल्लेखनीय उपलब्धियों एवं भावी लक्ष्यों को साझा किया। उन्होंने बताया कि एनटीपीसी वर्ष 2032 तक 149 और 2037 तक 244 गीगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता हासिल करने के लक्ष्य की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

2,300 पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

एनटीपीसी लिमिटेड के स्थापना दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण और हरित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में ग्राम गुड़ी स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में विशेष पौधारोपण अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत एक ही दिन में कुल 2,300 पौधे लगाए गए।

इस अवसर पर श्री विजय शंकर दुबे, परियोजना प्रमुख, एनटीपीसी सीपत; श्री सुरोजीत सिन्हा, महाप्रबंधक (O&M) श्री अशोक सरकार, महाप्रबंधक (Operation & FM) लिंगम वेंकट रेड्डी, महाप्रबंधक (Maintenance) श्री भरत गंगवानी, प्राचार्य, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गुड़ी; श्री दुर्गा प्रसाद साहू, सरपंच, ग्राम पंचायत गुड़ी; विद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी, वार्ड सदस्य, स्थानीय ग्रामीण तथा छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम लिमिटेड के अधिकारी उपस्थित रहे।

बालिका सशक्तिकरण अभियान के अंतर्गत 10 बालिकाओं को साइकिल और 4 दिव्यांगजनों को बैटरी चलित रिक्शा भेंटस्थापना दिवस के अवसर पर एनटीपीसी सीपत द्वारा नैगम सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत 10 बालिकाओं को साइकिल तथा चार दिव्यांगजनों को बैटरी चलित रिक्शा प्रदान किए गए। ये 10 बालिकाएं हाल ही में संपन्न बालिका सशक्तिकरण अभियान के अंतर्गत चयनित की गई हैं। एनटीपीसी ने इन बालिकाओं की कक्षा 6 से कक्षा 12 तक की शिक्षा बाल भारती पब्लिक स्कूल, एनटीपीसी सीपत में पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी ली है। उल्लेखनीय है कि एनटीपीसी सीपत प्रतिवर्ष लगभग 130 बालिकाओं को एक माह का पूर्ण आवासीय प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसके पश्चात् 10 मेधावी बालिकाओं का चयन कर उन्हें कक्षा 12 तक बाल भारती पब्लिक स्कूल में निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाती है। उनकी शिक्षा संबंधी सुविधाओं का पूरा खर्च एनटीपीसी वहन करता है। इस अभियान के अंतर्गत अब तक कुल 641 बालिकाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। इनमें से 53 मेधावी बालिकाओं की बाल भारती पब्लिक स्कूल में निःशुल्क शिक्षा एवं अन्य सुविधाओं की जिम्मेदारी एनटीपीसी सीपत ने ली है। इसी क्रम में एनटीपीसी के प्रभावित ग्रामों के चार दिव्यांगजनों को बैटरी चलित रिक्शा प्रदान किए गए, ताकि उनके दैनिक जीवन को सुगम बनाया जा सके और उन्हें आत्मनिर्भर बनने में सहायता मिले।

गीतकुंवारी के लबेद नाला पर प्रस्तावित नए बांध से 7 दशक पुराने पारंपरिक बांध के अस्तित्व पर मंडराया खतरा

■ कृषि भूमि को बचाने कलेक्टर से ग्रामीणों ने लगाई गुहार

कोरबा, 10 नवंबर। जिले के जनपद पंचायत कोरबा अंतर्गत ग्राम पंचायत गीतकुंवारी के लबेद नाला पर प्रस्तावित नए बांध के निर्माण को लेकर आक्रोशित ग्रामीण लामबंध हो गए हैं। मशीनों के माध्यम वन विभाग के प्रस्तावित नए बांध से 7 दशक पुराने पारंपरिक बांध के अस्तित्व पर मंडराते खतरे को भांपते हुए खेतों की सिंचाई और आजीविका को लेकर चिंतित ग्रामीण बुधवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण कलेक्ट्रेट पहुंचे और जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर नए बांध के निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।

ग्रामीणों का कहना है कि लबेद नाला पर लगभग 70 से 80 वर्ष पूर्व उनके पूर्वजों द्वारा पारंपरिक रूप से एक मेड़ (बांध) का निर्माण किया गया था। इस जल संरचना की देखरेख और मरम्मत ग्रामीण स्वयं समय-समय पर करते आ रहे हैं। इसी बांध में एकत्रित पानी से ग्राम गीतकुंवारी के लगभग 1200 एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई होती है। ग्रामीणों के अनुसार खेती ही उनके परिवारों की आजीविका का प्रमुख आधार है।



ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि वन विभाग के गीतकुंवारी बीट क्षेत्र में पुराने बांध से लगभग 500 मीटर नीचे ग्राम गिरारी की ओर मशीनों के माध्यम से नए बांध का निर्माण कराया जा रहा है। ग्रामीणों को आशंका है कि नए बांध के निर्माण से जलभराव की स्थिति उत्पन्न होगी और उनका वर्षों पुराना पारंपरिक बांध प्रभावित होकर डूब सकता है। यदि ऐसा हुआ तो 1200 एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई व्यवस्था पर गंभीर असर पड़ सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि पुराने जलस्रोत और सिंचाई व्यवस्था को नुकसान पहुंचता है, तो किसानों के सामने खेती और परिवार के भरण-पोषण का बड़ा संकट खड़ा हो जाएगा। इसी चिंता को लेकर ग्रामीणों ने प्रशासन के समक्ष अपनी समस्या रखी है।

शिकायत की प्रतिलिपि राजस्व विभाग, वन विभाग और जल संसाधन विभाग को भी सौंपी गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की तत्काल जांच कराई जाए, मौके का निरीक्षण किया जाए और नए बांध के निर्माण कार्य पर रोक लगाई जाए। ग्रामीणों ने प्रशासन को 3 से 4 दिनों के भीतर समस्या का निराकरण करने की मांग करते हुए कहा है कि उनकी वर्षों पुरानी सिंचाई व्यवस्था और किसानों के हितों को ध्यान में रखकर उचित निर्णय लिया जाए। अब देखने वाली बात होगी कि जिला प्रशासन ग्रामीणों की इस शिकायत पर क्या कदम उठाती है।

एक नजर

कलेक्टर शर्मा ने जिलेवासियों को दी दीपवली की शुभकामनाएं

बलौदाबाजार, 10 नवम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। दीपोत्सव के पावन पर्व दीपावली के अवसर पर कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने जिलेवासियों को हार्दिक बधाई एवं आत्मीय शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज के महापर्व पर सभी नागरिकों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं नव उत्साह के संचार की कामना की है। कलेक्टर शर्मा ने कहा कि दीपावली प्रकाश, खुशियों और आपसी सद्भाव का पर्व है। यह पर्व हमें अंधकार से प्रकाश की ओर तथा निराशा से आशा की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने जिलेवासियों से इस पावन अवसर को आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाने की अपील की। उन्होंने नागरिकों से दीपावली के अवसर पर मिट्टी के दीये जलाकर स्थानीय कुम्हारों एवं शिल्पकारों को प्रोत्साहित करने तथा पर्यावरण संरक्षण में अपनी सहभागिता निभाने का आग्रह किया। साथ ही हरित पटाखों का ही उपयोग करने और पटाखे जलाते समय सुरक्षा संबंधी सावधानियों का पालन करने की अपील की। कलेक्टर ने सभी जिलेवासियों से स्वच्छ, सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल दीपावली मनाने का आह्वान करते हुए कामना की कि यह दीपोत्सव सभी के जीवन में खुशहाली, सकारात्मकता और नई ऊर्जा लेकर आए।



जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी आम नागरिकों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए समय में निराकरण के निर्देश

रायगढ़, 10 नवम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला कलेक्टोरेट में आयोजित जनदर्शन में कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं, मांगें एवं शिकायतें सुनीं। उन्होंने प्रत्येक आवेदक से चर्चा कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली और संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवेदनों का नियमानुसार परीक्षण कर समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि आम नागरिक अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद लेकर जनदर्शन में पहुंचते हैं। ऐसे में अधिकारी उनके आवेदनों को गंभीरता से लें और संवेदनशीलता के साथ गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए आवेदकों को राहत पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। जनदर्शन में दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना का लाभ दिलाने, स्वामित्व की भूमि का नक्शा बंटांकन, अध्ययन के लिए आर्थिक सहायता, पंजीयन में खसरा संशोधन, चिकित्सा प्रतिपूर्ति, राजस्व अभिलेख एवं ऑनलाइन भुइयां पोर्टल में खसरा संकलन तथा रकबे की त्रुटियों में सुधार सहित विभिन्न विषयों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदनों का नियमानुसार परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रकरण का निराकरण निर्धारित समय-सीमा में किया जाए।

कोयले से भरे ट्रक से कुचलकर एक ही परिवार के 3 सदस्यों की मौत, आरोपी चालक गिरफ्तार

■ ग्राम रवान में भीषण सड़क दुर्घटना, लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने वाले आरोपी चालक पर धारा 105 बीएनएस एवं 184 मोटरयान एक्ट के तहत गंभीर कार्रवाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 10 नवम्बर। पुलिस अधीक्षक बलौदाबाजार-भाटापारा गौरव राय (भा.पु.से.) के कुशल निर्देशन एवं 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत जिले में सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने तथा लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाकर आम नागरिकों की जान जोखिम में डालने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध अत्यंत कठोर कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में थाना सिटी कोतवाली बलौदाबाजार क्षेत्र अंतर्गत दर्दनाक सड़क हादसे को अंजाम देने वाले फरार/आरोपी ट्रक चालक को पुलिस ने त्वरित विवेचना के बाद गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है।

घटना एवं मर्ग जांच का विवरणः दिनांक 06.11.2026 को दोपहर करीब 12:30 बजे बलौदाबाजार-भाटापारा मार्ग पर ग्राम रवान में एक भारी भरकम कोयले से भरे ट्रक (क्रमांक छत्त 08 ङ्ग 6011) के चालक द्वारा अपने वाहन को अत्यधिक तेज रफ्तार, लापरवाहीपूर्वक खतरनाक ढंग से लहराते हुए चलाया जा रहा था। आरोपी ट्रक चालक द्वारा मोटर साइकिल क्र. स्क्क 18 रू1744 को जोरदार ठोकर मार दी गई, जिससे मोटर साइकिल सवार रामचंद्र ध्रुव (पिता बुद्धेलाल ध्रुव, उम्र 39 वर्ष), उनके बेटे तोमेश ध्रुव (उम्र 12 वर्ष) एवं बेटी हारिका ध्रुव (उम्र 14 वर्ष, सभी निवासी ग्राम खैरताल) की ट्रक के पहियों के नीचे कुचलने से मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

अपराध पंजीयनः इस संबंध में थाना सिटी कोतवाली बलौदाबाजार में मर्ग जाँच की गई। प्रत्यक्षदर्शियों के कथनों और



साक्ष्यों के आधार पर यह स्पष्ट हुआ कि चालक द्वारा जानते हुए भी कि इस प्रकार भारी वाहन को तेज रफ्तार में चलाने से गंभीर दुर्घटना हो सकती है, जानबूझकर यह कृत्य किया गया। तदनुसार, आरोपी ट्रक चालक के विरुद्ध थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्र. 926/2026, धारा 105 BNS एवं 184 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस की वैज्ञानिक विवेचना एवं गिरफ्तारीः- मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना सिटी कोतवाली पुलिस ने तुरंत सीन ऑफ क्राइम यूनिट (Scene of Crime Unit) को मौके पर भेजा। घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर नजरी नक्शा तैयार किया गया तथा ई-साक्ष्य के तहत तकनीकी दस्तावेज जुटाए गए। पूछताछ के दौरान आरोपी द्वारा जुर्म स्वीकार करने पर घटना में प्रयुक्त ट्रक (CG 08 AX 6011) को समान भरी हुई स्थिति में तथा आरोपी का ड्राइविंग लाइसेंस विधिवत जप्त किया गया। आरोपी चालक संतोष कुमार चन्द्रवंशी को 7 नवम्बर को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपीः- संतोष कुमार चन्द्रवंशी पिता राजकुमार उम्र 26 वर्ष, निवासी ग्राम पाण्डेय पट्टी, थाना धोला, जिला बक्सर (बिहार), हाल पता - घासीदास नगर, जामुल भिलाई (छ.ग.) है।

छठ महापर्व की तैयारियों में जुटा नगर निगम प्रशासन



■ नगर निगम जोन 8 अध्यक्ष प्रीतम सिंह ठाकुर ने छठ महापर्व की पूर्व तैयारी,सफाई व्यवस्था का महादेवघाट पहुंचकर जोन स्वास्थ्य अधिकारी सहित किया निरीक्षण

रायपुर, 10 नवम्बर। रायपुर नगर पालिक निगम जोन 8 जोन अध्यक्ष प्रीतम सिंह ठाकुर ने रायपुरा महादेवघाट पहुंचकर नगर निगम जोन 8 जोन स्वास्थ्य अधिकारी संदीप वर्मा और स्वच्छता निरीक्षक राकेश बंजारे की उपस्थिति में छठ महापर्व के पूर्व की तैयारियों, व्यवस्थाओं और सफाई व्यवस्था का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया. जोन 8 जोन अध्यक्ष प्रीतम सिंह ठाकुर ने जोन स्वास्थ्य अधिकारी और स्वच्छता निरीक्षक को छठ महापर्व के पूर्व महादेवघाट पर पुख्ता सफाई व्यवस्था प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करवाने के सम्बन्ध में स्थल पर निर्देश दिए. जोन 8 जोन अध्यक्ष प्रीतम सिंह ठाकुर ने महादेवघाट छठ महापर्व आयोजन समिति के पदाधिकारियों और नागरिकों से छठ महापर्व आयोजन के सम्बन्ध में की जाने वाली पूर्व व्यवस्थाओं, तैयारियों और प्रबंधनों को लेकर चर्चा और विचार - विमर्श किया और इस सम्बन्ध में चर्चा करते हुए सफाई, पेयजल और स्ट्रीट लाईट से सम्बंधित आवश्यक व्यवस्थायें छठ महापर्व के पूर्व प्राथमिकता के आधार पर सुव्यवस्थित करवाने के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश नगर निगम जोन 8 के सम्बंधित अधिकारियों को दिए.

जिले में पुलिस की जुआ फड़ों पर ताबड़तोड़ रेड, 31 गिरफ्तार

■ कुल 57, 230 रुपये नगद जब्त, थाना सुहेला, भाटापारा शहर, कसडोल एवं सिमगा पुलिस टीमों की व्यापक दबिश में कुल 31जुआ खेलते किए गए गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 10 नवम्बर। पुलिस अधीक्षक बलौदाबाजार-भाटापारा गौरव राय (भा.पु.से.) के कुशल निर्देशन एवं 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत जिले में अवैध जुआ, सट्टा और गैर-कानूनी गतिविधियों पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गत दिवसों (07-08.11.2026 की देर रात्रि एवं दिनांक 08.11.2026) में बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों के अंतर्गत सघन कार्रवाई करते हुए जुआरियों के विरुद्ध ताबड़तोड़ दबिश दी है। संपूर्ण अभियान कुल 31 आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए ताश पत्ती एवं नगर 57, 230 जप्त किया गया है।

थानावार एवं प्रकरणवार विस्तृत विवरण:

थाना सुहेला क्षेत्रः 1. अप.क्र. 221/2026 (ग्राम सुहेला, इंदिरा कॉलोनी): दिनांक 07.11.2026 की रात्रि में दबिश देकर जुआ खेल रहे 04 आरोपियों को पकड़ा गया।गिरफ्तार आरोपीगणः (1) उमेश पाल, (2) लोकेश वर्मा, (3) ओमप्रकाश निषाद, (4) भुनेश्वर निषाद (सभी निवासी सुहेला)। जप्तीः कुल 1, 180/- नगद एवं 52 पत्ती ताश।



2. अप.क्र. 220/2026 (ग्राम सुहेला, इंदिरा निवास भाठा): दिनांक 07.11.2026 की रात्रि में की गई अन्य कार्रवाई में 03 आरोपी पकड़े गए। गिरफ्तार आरोपीगणः (1) थानेश कुमार सेन, (2) अजय पात्रे, (3) तिलकराम लहरी (सभी निवासी सुहेला)। जप्तीः कुल 1, 410/- नगद एवं 52 पत्ती ताश।

थाना भाटापारा शहर क्षेत्रः घटनास्थलः सरकारी अस्पताल के पीछे, गली, आम जगह, भाटापारा (स्ट्रीट लाइट के नीचे)। गिरफ्तार आरोपीगणः (1) सन्नी ठाकुर, (2) सोनी निषाद, (3) संदीप धीवर, (4) विजय यादव, (5) मनीष दास, (6) करन यादव, (7) राजा साहू (सभी निवासी भाटापारा शहर)। जप्तीः कुल 6, 340/- नगद एवं 52 पत्ती ताश।

थाना कसडोल क्षेत्रः अप.क्र. 431/2026 एवं 432/2026 (अजगर चौक, युको बैंक के पास, सफेद रंग का पुराना खंडरनुमा मकान): दिनांक 08.11.2026 को दीपावली के अवसर पर की गई बड़ी रेड कार्रवाई। गिरफ्तार आरोपीगणः (1) कुशल प्रसाद साहू, (2) कोमल कुमार साहू, (3) अनिल कुमार साहू, (4) गगन यादव, (5) सुकंदन पैकरा, (6) संदीप कुमार देवांगन, (7) नंद कुमार धीवर, (8) सुरेन्द्र कुमार यदु, (9) राममिलास केंवट जप्तीः कुल 39, 500/- नगद (विभिन्न प्रकरणों में विभाजित/कुल योग) एवं 52 पत्ती ताश।

थाना सिमगा क्षेत्रः 1. अप.क्र. 494/2026 (ग्राम बनसांकरा, खण्डवा जंगल मैदान): दिनांक 07.11.2026 की रात्रि में कार्रवाई कर 05 जुआरी पकड़े गए। गिरफ्तार आरोपीगणः (1) अमीत नायक, (2) नीतिन, (3) जीतू खण्डेलवाल, (4) राहुल वर्मा, (5) प्रशांत पांडेय (सभी निवासी सिमगा)। जप्तीः कुल 4, 200/- नगद एवं 52 पत्ती ताश।

2. अप.क्र. 493/2026 (ग्राम तुलसी, बाजार चौक): दिनांक 07.11.2026 की रात्रि में कार्रवाई कर 03 आरोपी पकड़े गए।गिरफ्तार आरोपीगणः (1) लुकेश साहू, (2) चुनेन्द्र कुमार साहू, (3) बाबू लाल साहू। जप्तीः कुल 4, 600/- नगद एवं 52 पत्ती ताश।

रायगढ़ जिले में 11 से 18 नवंबर तक जनजातीय गौरव सप्ताह का आयोजन

15 नवंबर को होगा जिला स्तरीय मुख्य समारोह

रायगढ़, 30 नवम्बर। छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति विकास विभाग के निर्देशानुसार जिले में 11 से 18 नवंबर 2026 तक जनजातीय गौरव सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। सप्ताह के दौरान जिला मुख्यालय से लेकर विकासखंड एवं ग्राम पंचायत स्तर तक विभिन्न सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं जनजागरूकता संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आयोजन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने कार्यक्रमों के सुव्यवस्थित संचालन के लिए विभिन्न विभागों एवं अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी हैं।

जनजातीय गौरव सप्ताह का जिला स्तरीय मुख्य समारोह 15 नवंबर को नगर पालिक निगम रायगढ़ के संत पूज्य प्रियदर्शी राम ऑडिटोरियम में आयोजित होगा। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिजीत बबन पठारे को नोडल अधिकारी तथा सहायक आयुक्त आदिवासी विकास श्रीकांत दुबे को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। मुख्य समारोह में जनजातीय संस्कृति, परंपरा, कला और गौरवशाली इतिहास को प्रदर्शित करने वाले विविध आयोजन होंगे। इसमें करमा एवं लोक नृत्य प्रतियोगिताओं के साथ जनजातीय कला, शिल्प, पारंपरिक व्यंजन, वाद्य यंत्र और चित्रकला की प्रदर्शनी विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। मुख्य समारोह में जिला स्तरीय उत्तर छत्तीसगढ़ क्षेत्र जनजातीय लोक नृत्य महोत्सव (करमा महोत्सव) तथा शहीद वीर नारायण सिंह लोक कला महोत्सव के अंतर्गत नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इसके साथ ही प्रमुख जनजाति एवं उप-जनजाति प्रमुखों, जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा क्रांतिवीरों के परिजनों का सार्वजनिक सम्मान किया जाएगा। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जनजातीय विकास प्रदर्शनी के अंतर्गत पारंपरिक क्राफ्ट, कला, शिल्प, व्यंजन एवं पुस्तक मेले का आयोजन किया जाएगा। वहीं जपं लैलूंगा एवं घरघोड़ा के सहयोग से जनजातीय स्वाभिमान सम्मेलन, पारंपरिक वाद्य यंत्रों की प्रदर्शनी तथा जनजातीय चित्रकला एवं फोटोग्राफी प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस को अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाने में मिली बड़ी सफलता

बेटे की हत्या का बदला लेने रची थी साजिश, पांच आरोपी गिरफ्तार

■ दो विधि से संघर्षरत बालक भी अभिरक्षा में

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 10 नवम्बर। बलौदाबाजार, 10 नवंबर। पुलिस अधीक्षक गौरव राय के कुशल निर्देशन में बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने एक सनसनीखेज अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं, मामले में संलिप्त दो विधि से संघर्षरत बालकों को अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त चाकू, दो कारें और एक स्कूटी भी बरामद की है। मृतक की पहचान और घटना स्थल वाले जिले से उसका कोई पूर्व संबंध नहीं होने के कारण यह मामला पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ था।

पुलिस के अनुसार, 31 अक्टूबर 2026 को पुलिस चौकी बया (थाना राजादेवरी) क्षेत्र के ग्राम मुरुमडीह और रायतुंम के बीच जंगल के रास्ते में एक अज्ञात युवक का शव मिला था। करीब 20 से 25 वर्ष के युवक का शव निर्वस्त्र अवस्था में था। उसके सीने और शरीर पर धारदार हथियार से वार के गहरे निशान थे। सीने पर अंग्रेजी में 'यक्क' और हाथों पर टैटू बने हुए थे। प्रथम दृष्टया हत्या का मामला पाए जाने पर अपराध क्रमांक 101/2026 के तहत बीएनएस की विभिन्न धाराओं तथा आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खोमन सिन्हा के मार्गदर्शन और उप पुलिस अधीक्षक (कैंप कसडोल) कौशल किशोर वासनिक के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और विभिन्न पहलुओं की जांच शुरू की।

गांजा कारोबार में वर्चस्व की लड़ाई बनी हत्या की वजह

विवेचना और आरोपियों से पूछताछ में सामने आया कि मृतक और आरोपी गांजे के अवैध कारोबार से जुड़े थे। इस कारोबार को लेकर उनके बीच पुराना विवाद और वर्चस्व की लड़ाई चल रही थी। इसी दौरान अक्टूबर माह में आरोपी अमरजीत सिंह सोनी के पुत्र शिवा की हत्या हो गई थी। पुलिस के मुताबिक, बेटे की हत्या का बदला लेने के लिए अमरजीत सिंह सोनी ने करन डोंगरे उर्फ यक्क की हत्या की साजिश रची और अन्य आरोपियों को सुपारी तथा निर्देश देकर वारदात को अंजाम दिलाया।



गिरफ्तार आरोपियों के नाम

1. मोह. अनस असरफी पिता मोह. हबीब, उम्र 22 वर्ष, निवासी मोवा ईदगाह के सामने, थाना पंडरी, जिला रायपुर
2. सैय्यद अल्ताफ अली उर्फ फ़ज़ान पिता सैय्यद साबिर अली, उम्र 24 वर्ष, निवासी ईदगाह तालाब किनारे, मोवा, थाना पंडरी, जिला रायपुर
3. राज यादव उर्फ साईं पिता कमलेश, उम्र 18 वर्ष, निवासी वार्ड 16, कर्मचारी नगर, थाना मोहन नगर, जिला दुर्ग
4. राहुल दास मानिकपुरी पिता स्व. विरेन्द्र दास, उम्र 19 वर्ष, निवासी वार्ड 58, उरला बॉम्बे आवास, थाना मोहन नगर, जिला दुर्ग
5. अमरजीत सिंह सोनी पिता अमृत सिंह, उम्र 47 वर्ष, निवासी वार्ड 58, उरला बॉम्बे आवास, थाना मोहन नगर, जिला दुर्ग
6. (नोटः प्रकरण में संलिप्त 02 विधि से संघर्षरत बालकों को भी विधिवत संरक्षण/अभिरक्षा में लिया गया है।)

काम दिलाने का झांसा देकर ले गए जंगल

योजना के तहत मृतक से पहले से परिचित एक आरोपी ने उसे महासमुंद क्षेत्र में काम दिलाने का झांसा दिया। इसके बाद आरोपी उसे संबलपुर क्षेत्र से एक किया कार में बैठाकर निकले। दूसरी ओर, अन्य आरोपी वैगनआर कार से आगे-पीछे चलते हुए निगरानी और पायलेटिंग कर रहे थे। दोनों वाहन पटेवा क्षेत्र में मिले और वहां से मृतक को बया क्षेत्र के सुनसान जंगल में ले जाया गया। यहां चाकू से ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी गई। पहचान छिपाने और साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से मृतक के कपड़े उतारकर शव निर्वस्त्र अवस्था में फेंक दिया गया।

एक हजार से अधिक सीसीटीवी कैमरों की जांच

वारदात के बाद पुलिस को गुमराह करने के लिए आरोपियों ने वैगनआर कार को रायपुर और नया रायपुर के अंदरूनी रास्तों पर घुमाया, जबकि किया कार ने पटेवा से राष्ट्रीय राजमार्ग के रास्ते संबलपुर की ओर रुख किया। पुलिस ने बया, पटेवा, नया रायपुर, सरायपाली और रायपुर-दुर्ग राष्ट्रीय राजमार्ग सहित टोल प्लाजा पर लगे एक हजार से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। संदिग्ध वाहनों की गतिविधियों, समय और आवागमन के पैटर्न का मिलान करने के लिए उन्नत एआई तकनीक का भी इस्तेमाल किया गया। घटनास्थल पर मिले टायरों के निशान से दो अलग-अलग चारपहिया वाहनों की संलिप्तता की पुष्टि हुई।

डिजिटल साक्ष्यों और अंतरजिला पुलिस समन्वय के आधार पर मृतक की पहचान करन डोंगरे उर्फ यक्क (20 वर्ष) के रूप में की गई। किया कार की गतिविधियों के आधार पर पुलिस ने पहले एक आरोपी को पकड़ा। उससे पूछताछ में अन्य आरोपियों के दुर्ग नगर के एक संवेदनशील इलाके में छिपे होने की जानकारी मिली। इसके बाद दुर्ग पुलिस के सहयोग से बलौदाबाजार पुलिस ने वहां दबिश देकर घेराबंदी की और सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

शपथ पत्र

मैं शपथकर्ता राजेन्द्र खटोर पिता श्री रतन लाल खटोर निवासी 07, शॉपिंग काम्प्लेक्स के पास विवेकानंद नगर रायपुर छ. ग. का रहने वाला हूं जो कि निम्न लिखित शपथ पूर्वक कथन करता हूं किः-

मेरा नाम एवं पता उपरोक्तानुसार है।

पूर्व में मेरा नाम राजेन्द्र कुमार खटोर के नाम से जाना व पहचाना जाता था।

वर्तमान में मेरा नाम राजेन्द्र खटोर के नाम से जाना व पहचाना जाता हूं यही नाम मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड में अंकित है।

उपरोक्त वर्णित दोनों नाम राजेन्द्र कुमार खटोर एवं राजेन्द्र खटोर दोनों ही नाम मेरे एक ही व्यक्ति के नाम है।

मैं शपथकर्ता आज दिनांक 6/11/2026 को शपथ करता हूं कि उक्त शपथ पत्र में उल्लेखित सभी तथ्य सही एवं सत्य है।

शपथकर्ता
राजेन्द्र खटोर

एक नजर

पार्किंग में खड़ी स्कॉर्पियो बनी आग का गोला

रायपुर, 10 नवंबर। दिवाली की रात राजधानी रायपुर में आगजनी की अलग-अलग घटनाओं से अफ़रा-तफ़री का माहौल रहा। शहर के चार प्रमुख इलाकों में आग लगने की घटनाएं सामने आईं, जिनमें दुकानों से लेकर वाहन तक आग की चपेट में आ गए। इन हादसों में करोड़ों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। बीते रोज बूढ़ातालाब स्थित पार्किंग में खड़ी एक स्कॉर्पियो कार में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया और स्कॉर्पियो धू-धू कर जलने लगी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। गनीमत रही कि हादसे के वक्त कार में कोई सवार नहीं था, जिससे जनहानि टल गई।

प्रेमनाथ की 100वीं जयंती पर जी क्लासिक दिखाएगा 'अमर प्रेमनाथ'

रायपुर, 10 नवम्बर। हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता प्रेमनाथ की 100वीं जयंती के अवसर पर जी क्लासिक नवंबर में 'अमर प्रेमनाथ' के जरिए उन्हें श्रद्धांजलि दे रहा है। इस विशेष आयोजन में उनके पुत्र मोंटी नाथ द्वारा निर्मित चार भागों की डॉक्यूमेंट्री सीरीज और उनकी यादगार फिल्मों का प्रसारण किया जाएगा। हर शनिवार सुबह 11:30 बजे डॉक्यूमेंट्री का नया भाग दिखाया जाएगा, जिसके बाद दोपहर 12 बजे उनकी लोकप्रिय फिल्म प्रसारित होगी। 7 नवंबर को 'देश प्रेमी', 14 नवंबर को 'रोटी कपड़ा और मकान', 21 नवंबर को 'बॉबी' और 28 नवंबर को 'कालीचरण' दिखाई जाएगी। अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने प्रेमनाथ को याद करते हुए कहा कि उनका अभिनय बेहद मौलिक था और पर्दे पर उनका अपना अलग अंदाज था। उन्होंने 'बरसात', 'रुस्तम सोहराब' और 'आन' जैसी फिल्मों में उनके अभिनय की सराहना की। 'अमर प्रेमनाथ' के माध्यम से दर्शकों को उनके शानदार फिल्मी सफ़र, व्यक्तित्व और विरासत को करीब से जानने का मौका मिलेगा।

कार से टक्कर के बाद बीच सड़क पर नाइजीरियन कपल का हाईवोल्टेज ड्रामा

रायपुर, 10 नवम्बर। दिवाली के दिन रविवार की शाम राजधानी रायपुर के कटोरा तालाब इलाके में उस वक्त हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिला, जब सड़क हादसे के बाद एक नाइजीरियन महिला और पुरुष ने बीच सड़क जमकर हंगामा किया। दोनों पक्षों के बीच विवाद के चलते सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और काफी देर तक जाम की स्थिति बनी रही। इस पूरे हंगामे का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, नाइजीरियन जोड़े की दो पहिया की एक सराफ़ा कारोबारी की कार से भिड़ंत हो गई थी। हादसे के बाद नाइजीरियन युवती ने अपने आर्टिफिशियल हैंड (कृत्रिम हाथ) को नुकसान पहुंचने का आरोप लगाया। युवती ने इस नुकसान के एवज में 6 लाख रुपये हर्जाना देने की मांग की। इसी मांग को लेकर महिला और उसके साथ मौजूद पुरुष ने बीच सड़क हंगामा शुरू कर दिया। सड़क के बीच हुए इस विवाद के चलते कटोरा तालाब इलाके में काफी देर तक अफ़रा-तफ़री का माहौल बना रहा। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

निधन

कुसुम चौबे

रायपुर, 10 नवम्बर। श्रीमती कुसुम चौबे का दुःखद निधन हो गया है।वे विजय चौबे की धर्मपत्नी, स्वर्गीय व्यास नारायण चौबे की पुत्रवधू एवं पार्थ चौबे की पूज्य माताजी थीं। अंतिम संस्कार महादेव घाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती विनीता शर्मा

रायपुर, 10 नवम्बर। डंगनिया निवासी (चिखली) श्रीमती विनीता शर्मा, 56 वर्ष, का निधन हो गया है। उनकी अंतिम यात्रा निवास स्थान डंगनिया, सोनकर बाड़ी से निकली। महादेव घाट श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया।

हरिशंकर शर्मा

रायपुर, 10 नवम्बर। ग्राम अमरूवा के प्रतिष्ठित नागरिक एवं सप्रे हायर सेकेंडरी स्कूल रायपुर के सेवानिवृत्त प्राचार्य पंडित हरिशंकर शर्मा का आज रायपुर में निधन हो गया। दोपहर 1 बजे रायपुर के डागा बिल्डिंग बैरन बाजार निवास से अंतिम यात्रा निकली। महादेव घाट में अंतिम संस्कार किया गया। वे राजीव शर्मा, डॉ भारती शर्मा, संजय शर्मा, श्री धनंजय शर्मा के पिता थे।

गोवर्धन पूजा



रायपुर। राजधानी के शंकराचार्य आश्रम में गोवर्धन पूजा पर दंडी सन्यासी डॉ. इंदुभवानंद महाराज ने गोवर्धन एवं गोपूजन कर भक्तजनों को आशीर्वाद दिया।

राहुल गांधी दिमागी नक्सली हैं पुरंदर ने दी बहस की चुनौती

रायपुर, 10 नवम्बर। देश के प्रधानमंत्री मोदी को एक बार फिर राहुल गांधी ने डिबेट के लिए चैलेंज किया है. उन्होंने पीएम मोदी को इस बात पर बहस की चुनौती दी कि कौन देशद्रोही है और कौन विदेशी ताकतों के इशारे पर चल रहा. उनके इस बयान पर रायपुर उत्तर से भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा ने राहुल गांधी को दिमागी नक्सली बताया है. वहीं बहस के लिए चुनौती भी दी है.

विधायक पुरंदर मिश्रा ने तंज कसते हुए कहा कि पप्पू भाई, मोदी ने आपको दिमागी नक्सल नहीं कहा है. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने अपनी विक्षिप्त मानसिकता को जाहिर किया है. उनके मनोभाव में नक्सली है. इसका मतलब राहुल गांधी दिमागी नक्सली है.





भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा ने राहुल गांधी को डिबेट के लिए चैलेंज किया है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री से क्या, पहले भाजपा के छोटे कार्यकर्ता या मुझसे बहल कर लें. बता दें कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दीपावली के अवसर पर बस्तर पहुंचे थे. यहां उन्होंने जवानों के साथ दीपावली मनाई और मिठाई बांटकर त्योहार की खुशियां साझा की थीं. इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में नक्सलवाद के खात्मे का जिक्र करते हुए कहा था कि हथियारबंद माओवादियों के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है, लेकिन नक्सलवाद का खतरा अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है. प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया था कि 'दिमागी नक्सली' राजनीतिक दलों समेत कई संगठनों में घुसपैठ कर चुके हैं. लोगों को संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ भड़काने का काम कर रहे हैं. प्रधानमंत्री के 'दिमागी नक्सल' वाले बयान पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पलटवार किया था. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती दी कि वे इस मुद्दे पर बहस करें कि कौन देशद्रोही है और कौन विदेशी ताकतों के इशारे पर काम कर रहा है.

विद्यार्थियों ने पुराने वस्त्र एकत्र कर आठ सौ लोगों को बांटे

रायपुर, 10 नवम्बर। छत्रपति शिवाजी स्कूल की दो शाखाओं के विद्यार्थियों ने बांटे खुशियां त्यौहार की अभियान के तहत पिछले 15 दिनों से पुराने व उपयोगी वस्त्रों को संग्रह करने का अभियान चलाया है। इसके अन्तर्गत करीब आठ सौ लोगों के लिए पुराने वस्त्र एकत्र कर लिए गए थे। आज 6 नवंबर को शिवाजी स्कूल के इन विद्यार्थियों द्वारा मेकाहारा के कैंसर विभाग के बाहर स्टाल लगाकर यहां ज़रूरतमंदों को इन वस्त्रों का वितरण किया गया। इन वस्त्रों को लेने के लिए अस्पताल प्रांगण में बच्चों, पुरुषों, महिलाओं, लड़कियों सभी ने क्रम से लगकर अपनी आवश्यकतानुसार कपड़ों को प्राप्त कर खुशियों का इज़हार किया। मनपसंद कपड़े पाकर सभी के चेहरे खिल उठे। इस अवसर पर कैंसर विभागाध्यक्ष व मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ.विवेक चौधरी, डॉ.स्मित श्रीवास्तव, डॉ.नरेंद्र चंद्राकर ने वस्त्र वितरण अभियान का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर स्कूल संचालक मुकेश शाह समेत शिक्षिकाओं माया चौहान, पार्वती देवांगन,रचना सोनी, कृष्णा विशाल,सुरेश यादव,कैलाश देवांगन, स्कूल के हेड ब्वाय प्रखर



वर्मा, असिस्टेंट हेड ब्वाय अंकित सिंह ठाकुर ओर अनुराग वाकड़े, भूमिका मानिकपुरी,आमना रंगरेज़ समेत अनेक विद्यार्थी भी शामिल रहे।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने भाजपा पर साधा निशाना: धान खरीदी सहित कई मुद्दों पर सरकार को घेरा

रायपुर, 10 नवम्बर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज रायपुर स्थित निवास पर धूमधाम से गोवर्धन तिहार मनाया। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में कई राजनीतिक मुद्दों को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने देश में समाज और भगवान के नाम पर बांटने की राजनीति होने का आरोप लगाया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने डबल इंजन की सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि देश एक संक्रमण काल से गुजर रहा है। कई लोग देश में विद्रोह पैदा करना चाहते हैं।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बस्तर दौरे का जिक्र करते हुए बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री बस्तर आए थे और वे भेष बदलने में माहिर हैं। उन्होंने कहा कि जवानों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने दिमागी नक्सलियों को खत्म करने की बात कही थी, जबकि जो लोग विरोध करते हैं, उन्हें दिमागी नक्सली कहा जा रहा है।

बघेल ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री अपने ही देश के लोगों को गाली देने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सभी की आवाज उठाने का काम कर रहे हैं और वैदिक सितारे की तरह उभर रहे हैं। धान खरीदी के मुद्दे पर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि धान खरीदी का समय आ गया है, लेकिन पटवारी हड़ताल कर रहे हैं। गांव में एक कोटवार ने उनसे कहा कि उनके परिवार की चार एकड़ जमीन गिरदावरी से कट गई है। बघेल ने कहा कि किसान परेशान हैं और गिरदावरी में भी दिक्कतें आ रही हैं। धान खरीदी की तैयारियों पर सवाल उठाते हुए उन्होंने दावा किया कि अब तक केवल 25 प्रतिशत चावल ही राइस मिलर्स जमा कर पाए हैं, जबकि 75 प्रतिशत चावल जमा नहीं हुआ है।

इंडियन रेलवे ने कबाड़ से कमाए 628 करोड़ रुपये

रायपुर, 10 नवम्बर। भारतीय रेलवे ने विशेष अभियान-6 सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। 2 से 31 अक्टूबर 2026 तक चले इस अभियान के दौरान देशभर के रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों, कार्यशालाओं और अन्य रेलवे प्रतिष्ठानों में 1 लाख से अधिक स्वच्छता अभियान चलाए गए। वहीं कबाड़ के निपटान से रेलवे को 628.49 करोड़ रुपये की कमाई हुई, जो निर्धारित 600 करोड़ रुपये के लक्ष्य से अधिक है। इसके अलावा, 5, 884 रेलवे स्टेशनों पर रेल जन संवाद कार्यक्रम आयोजित कर यात्रियों और रेलवे अधिकारियों के बीच सीधा संवाद स्थापित किया गया। भारतीय रेलवे ने 2 से 31 अक्टूबर 2026 तक अपने सभी जोनल रेलवे, डिवीजनों, प्रोडक्शन यूनिट्स, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य रेलवे प्रतिष्ठानों में विशेष अभियान-6 चलाया। इस अभियान के तहत स्वच्छता, कबाड़ निपटान, ई-कचरा प्रबंधन, जगह के बेहतर उपयोग, रिकॉर्ड प्रबंधन और लंबित मामलों के निपटारे पर विशेष ध्यान दिया गया।

इस अभियान के दौरान रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों और कार्यशालाओं सहित विभिन्न रेलवे परिसरों में 1 लाख से अधिक स्वच्छता अभियान चलाए गए। वहीं, कबाड़ और अनुपयोगी सामग्री



के निपटान से 628.49 करोड़ रुपये की आय हुई। यह निर्धारित 600 करोड़ रुपये के लक्ष्य से अधिक है। इस दौरान कबाड़ और अनावश्यक वस्तुओं को हटाकर 6, 20, 121 वर्ग फुट जगह भी खाली कराई गई। इस साल के अभियान में ई-कचरे के प्रभावी संग्रह, पृथक्करण और निपटान पर विशेष जोर दिया गया। इसके तहत 1.50 लाख से अधिक ई-कचरा इकाइयों का निपटान किया गया, जिससे रेलवे को 10.43 करोड़ रुपये की आय हुई। इसके अलावा, पुरानी भौतिक और इलेक्ट्रॉनिक फाइलों की समीक्षा, जन शिकायतों और अपीलों का निपटारा, संसदीय आश्वासनों, वीआईपी संदर्भों और अन्य लंबित मामलों पर भी कार्रवाई की गई। इन प्रयासों का उद्देश्य रिकॉर्ड प्रबंधन को बेहतर बनाना, लंबित मामलों को कम करना और रेलवे परिसरों में स्वच्छ एवं व्यवस्थित कार्य वातावरण तैयार करना था।

रायपुरा में इलेक्ट्रिक व्हीकल शॉप में भीषण आग

रायपुर, 10 नवम्बर। रायपुरा इलाके में स्थित इलेक्ट्रिक व्हीकल की दुकान में भी आग लगने की घटना सामने आई। आग इतनी तेजी से फैली कि दुकान में रखे कई वाहन और उपकरण जलकर नष्ट हो गए। वहीं, शंकर नगर मुख्य मार्ग स्थित होम डेकोर की दुकान भी आग की चपेट में आ गई। दुकान में रखे सजावटी और ज्वलनशील सामान के कारण आग तेजी से फैल गई, जिससे दुकान संचालक को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। दिवाली की रात राजधानी में हुई इन अलग-अलग घटनाओं ने सुरक्षा और अग्निशमन इंतजामों को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल आग लगने के कारणों और वास्तविक नुकसान का आकलन किया जाना बाकी है।

स्वच्छता के लिए रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा को मिलेगा राष्ट्रीय सम्मान

रायपुर, 10 नवम्बर। स्वच्छता के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत प्रदेश के तीन शहरों रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा का राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए चयन किया गया है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु आगामी 11 नवंबर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय सम्मान समारोह में इन तीनों शहरों को पुरस्कृत करेंगी। यह उपलब्धि प्रदेश में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों, सफाई मित्रों के समर्पण और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी का परिणाम है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, नगरीय निकायों के अधिकारियों-कर्मचारियों तथा सफाई मित्रों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन राष्ट्रपति के हाथों छत्तीसगढ़ के तीन शहरों का सम्मानित होना पूरे प्रदेश के लिए गौरव और प्रसन्नता का विषय है। यह सम्मान उन हजारों सफाई मित्रों के परिश्रम का सम्मान है, जो प्रतिदिन हमारे शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए अथक मेहनत करते हैं। साथ ही यह उन जागरूक नागरिकों की सहभागिता का भी सम्मान है, जिन्होंने स्वच्छता को अपनी जिम्मेदारी समझकर इस अभियान को सफल बनाने में योगदान दिया है।

केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने राज्य सरकार को पत्र भेजकर रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा के राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए चयन की औपचारिक जानकारी दी है। मंत्रालय के सचिव सतेंद्र सिंह ने राज्य में संचालित स्वच्छता गतिविधियों और नागरिक सहभागिता की सराहना करते हुए इन शहरों के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया है। मंत्रालय द्वारा भेजे गए पत्र में उल्लेख किया गया है कि स्वच्छ भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में नागरिकों की सहभागिता और नगरीय निकायों के प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका है। छत्तीसगढ़ के तीन शहरों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन यह दर्शाता है कि स्वच्छता के क्षेत्र में निरंतर प्रयास और सामूहिक भागीदारी से उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं।

नई दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय सम्मान समारोह की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह भी होगी कि स्वच्छता व्यवस्था को धरातल पर सफल बनाने वाले सफाई मित्रों और मैदानी कर्मचारियों की भागीदारी को विशेष महत्व दिया जाएगा। केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने राज्य तथा चयनित शहरों के प्रतिनिधिमंडलों में सफाई मित्रों, स्वच्छता निरीक्षकों, पर्यवेक्षकों, अभियंताओं और स्वच्छता मिशन के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रतिनिधियों को शामिल करने के लिए आमंत्रित किया है। पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रत्येक शहर से चार प्रतिनिधियों को मंच पर सम्मान ग्रहण करने का अवसर मिलेगा। यह पहल स्वच्छता के क्षेत्र में प्रतिदिन कार्य करने वाले उन कर्मयोगियों के योगदान को राष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाएगी, जिनकी मेहनत से शहरों की स्वच्छता व्यवस्था संचालित होती है।

रेलवे खान-पान सेवा ठेकेदारी कर्मचारी कल्याण संघ ने मनाया स्थापना दिवस



रायपुर, 10 नवम्बर। स्थापना दिवस के अवसर पर संस्था के अध्यक्ष ऋषि कुमार उइके के द्वारा उपस्थित सभी सम्मानित सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा गया कि हमारी संस्था के द्वारा विगत वर्षों में संस्था के सदस्य जो रेलवे स्टेशन रायपुर में खान पान सेवा के तहत वेंडर का कार्य करते हैं के हितों को ध्यान में रखते हुए अनेकों कार्य किए गए हैं।आगे भी हमारी संस्था पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ वेंडरों के हित एवं कल्याण के लिए कार्य करती रहेगी।

अध्यक्ष सहित सभी सम्मानित सदस्यों के द्वारा स्थापना दिवस के मौके पर यह संकल्प लिया गया कि रेलवे स्टेशन रायपुर में आम रेल यात्रियों के स्वास्थ्य एवं हितों को ध्यान में रखते हुए संस्था के सभी वेंडर कोई भी अमानक अप्रमाणित खाद्य सामग्री का विक्रय नहीं करेंगे। साथ ही हमारी संस्था रेल प्रशासन से आग्रह करेगी कि रेलवे स्टेशन में सभी निविदा प्राप्त खान पान ठेकेदारों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर अपने अपने स्टालों पर गुणवत्ता युक्त रेल प्रशासन द्वारा प्रमाणित खाद्य सामग्री ही विक्रय करने के वेंडरों को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। जिससे आम रेल यात्रियों गुणवत्ता युक्त खाद्य सामग्री आसानी से मिल सकेगी। सभी उपस्थित सदस्यों के द्वारा संस्था के स्थापना दिवस एक दूसरे को बधाई दी और स्वल्पाहार ग्रहण किया।

छत्तीसगढ़ में धान बेचने का टोकन आज से शुरू

रायपुर, 10 नवम्बर। छत्तीसगढ़ के किसानों के लिए आज का दिन खास है। खरीफविपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए आज मंगलवार, 10 नवंबर से टोकन मिलने शुरू हो गए हैं। धान खरीदी 15 नवंबर से होगी। आखिरी दिनों में खरीदी केंद्रों पर भीड़ न लगे। इसलिए पहले से टोकन जारी किए जा रहे हैं, ताकि किसान अपनी सुविधा के अनुसार तारीख चुन सकें। इस साल सरकार ने खरीदी की व्यवस्था पहले से बड़ी की है। नए 360 उपार्जन केंद्र जुड़ने के बाद प्रदेश में कुल 3, 100 केंद्रों पर धान खरीदी होगी। लगभग 27.50 लाख किसानों से धान खरीदने की तैयारी है। खरीदी की अवधि 15 नवंबर से 15 जनवरी 2027 तक रहेगी। केंद्रों पर बारदाने, तौल कांटे, पीने का पानी, छांव और बैठने की व्यवस्था के निर्देश दिए गए हैं। सरकार का दावा है कि इस बार धान के रखरखाव, उठाव और परिवहन पर भी खास ध्यान दिया जाएगा, ताकि केंद्रों पर धान सड़ने या भीगने की शिकायत न आए।

मोबाइल से टोकन कैसे बुक करें?

इस बार तुंहर टोकन मोबाइल ऐप से टोकन बुक किया जा सकेगा। इसके लिए किसान को ऐप में अपना पंजीयन नंबर और जरूरी जानकारी भरनी होगी। फिर आधार से जुड़े मोबाइल नंबर पर ओटीपी



आएगा, जिससे पहचान की पुष्टि होगी। पहचान पूरी होते ही किसान अपनी पात्रता और खाली स्लॉट के हिसाब से तारीख चुन सकेंगे। टोकन बुक होते ही जानकारी मोबाइल पर मिल जाएगी। जिन किसानों को मोबाइल चलाने में दिक्कत होती है, वे अपनी सहकारी समिति में जाकर भी टोकन ले सकते हैं। वहां पंजीयन की स्थिति, रकबा और टोकन की जानकारी मिल जाएगी। केंद्र की रोज की खरीदी क्षमता के हिसाब से 70% टोकन ऑनलाइन और 30% समिति स्तर पर बांटे जाएंगे। ऑनलाइन कोटे में 80% हिस्सा छोटे किसानों के लिए रखा गया है।

खरीदी की दर और सीमा

सरकार ने धान के लिए 3, 100 रुपये प्रति क्विंटल की दर घोषित की है। एक एकड़ पर अधिकतम 21 क्विंटल धान खरीदा जाएगा। केंद्रीय न्यूनतम समर्थन मूल्य और राज्य की घोषित दर में अंतर है। इसके भुगतान की प्रक्रिया सरकारी आदेश के अनुसार होगी, इसलिए टोकन लेने से पहले अपनी पात्र मात्रा व भुगतान का तरीका समझ लें।

पंजीयन और जांच जरूरी

इस बार पंजीयन और पहचान सत्यापन पर खास जोर है। खरीदी केंद्रों पर बायोमेट्रिक सत्यापन लागू रहेगा। डिजिटल क्रॉप सर्वे से रकबा तय होगा, इसलिए अगर सर्वे में रकबा कम दिख रहा है तो पहले ही सुधार करवा लें। पिछले साल के एग्रीस्टैक पंजीकृत किसानों को दोबारा पंजीयन से छूट की जानकारी है, फिर भी अपनी स्थिति एक बार जरूर जांच लें।

कितने टोकन मिलेंगे?

टोकन जमीन के रकबे के हिसाब से तय होंगे:
- 2 एकड़ तक: अधिकतम 1 टोकन
- 2 से 10 एकड़ तक: अधिकतम 2 टोकन
- 10 एकड़ से ज्यादा: अधिकतम 3 टोकन
- जिन किसानों के एक से ज्यादा टोकन हैं, वे अलग-अलग तारीखों पर धान बेच सकेंगे। केंद्र पर अपनी पात्र मात्रा से ज्यादा धान लाने पर उसे वापस भी किया जा सकता है।

टोकन लेने से पहले ये जरूर देखें

- पंजीयन की स्थिति और आधार से जुड़ा मोबाइल नंबर
- कृषि रकबा और पात्र मात्रा
- टोकन पर लिखी तारीख, मात्रा और केंद्र का नाम

अवैध धान पर सख्ती

धान की अवैध ढुलाई और दूसरे राज्यों से अनधिकृत धान की आवक रोकने के लिए निगरानी बढ़ाई गई है। 273 चेक पोस्ट और 131 सीमावर्ती केंद्र चिह्नित किए गए हैं। धान ले जाने वाले वाहनों की लोकेशन ट्रैक होगी और चावल की बोरियों पर क्यूआर कोड आधारित व्यवस्था लागू करने की तैयारी है।

शिकायत कहां करें?

शिकायतों के निपटारे के लिए समय-सीमा तय की गई है। अति संवेदनशील केंद्रों की शिकायत 24 घंटे, संवेदनशील केंद्रों की 48 घंटे और सामान्य केंद्रों की 72 घंटे में निपटाने का लक्ष्य है। समस्या होने पर सहकारी समिति या विभागीय हेल्पलाइन से संपर्क करें।

चेम्बर ने मनाया दीपावली मिलन समारोह



रायपुर, 10 नवम्बर। दीपावली के शुभ अवसर पर छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा प्रतिवर्ष की परम्परा को जारी रखते हुए 09 नवंबर 2026 को चौधरी देवीलाल व्यापार उद्योग भवन, बॉम्बे मार्केट, रायपुर में प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। दीपोत्सव के उल्लास और पारस्परिक सौहार्द से परिपूर्ण इस समारोह में प्रदेशभर से हजारों व्यापारी, उद्योगपति, विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं चेम्बर पदाधिकारी सम्मिलित हुए। व्यापारिक समुदाय की अभूतपूर्व सहभागिता समारोह का विशेष आकर्षण रही। इस अवसर पर चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष निकेश बरडिया सहित संरक्षकगण, सलाहकार, चेयरमैन, वाइस चेयरमैन, प्रदेश पदाधिकारी, कार्यकारी सदस्य, ट्रांसपोर्ट चेम्बर, महिला चेम्बर एवं विभिन्न व्यापारिक एसोसिएशनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। समारोह में छत्तीसगढ़ स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष राजीव कुमार अग्रवाल, छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक के अध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता, छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष एवं चेम्बर सलाहकार अमरजीत सिंह छाबड़ा, छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के डायरेक्टर एवं छत्तीसगढ़ कयाकिंग-कैनोइंग एसोसिएशन के अध्यक्ष बलदेव सिंह भाटिया तथा चांसलर आंजनेय यूनिवर्सिटी एवं जिला संयोजक भाजपा शिक्षा प्रकोष्ठ रायपुर अभिषेक अग्रवाल ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26